आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन शुक्ल पक्ष-13 ■ वर्ष -42 ■ अंक-204 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 24 अक्टूबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

मां दंतेश्वरी से राष्ट्रपति ने मांगी देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,23 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने मां दंतेश्वरी से देशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी मां दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के प्रति अंचल के लोगों की अटूट श्रद्धा है। मां दंतेश्वरी बस्तर की आस्था और लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मां दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के लिए आगमन बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर अपनी अनुपम जनजातीय संस्कृति, प्राचीन परंपराओं और विशिष्ट जीवन मूल्यों के लिए देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। यहां की परंपराओं में प्रकृति, आस्था और समाज के बीच गहरा संबंध दिखाई देता है। राष्ट्रपति के प्रवास से बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान मिलेगा। बता दें कि मां दंतेश्वरी बस्तर अंचल की आराध्य देवी हैं। मां दंतेश्वरी के प्रति बस्तरवासियों की गहरी आस्था है और उनकी उपासना क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखती है। मां दंतेश्वरी से जुड़ी आस्था बस्तर की सदियों पुरानी परंपराओं और यहां के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में गहराई से रची-बसी है।

ट्रक में जा घुसी कार, 2 महिलाओं की मौत

महासमुंद,23 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में नेशनल हाइवे 53 पर शुक्रवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. ओडिशा के संबलपुर से आ रही कार दुर्घटना का शिकार हो गई. 16 चक्का ट्रक में कार पीछे से जा घुसी. हादसा इतना भयानक था कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हुए हैं. घटना पटेवा थाना क्षेत्र में बावनकेरा की है. नक्शे देखें खबर लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हुई है. प्रारंभिक तौर पर सभी राजनांदगांव जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं. कार में घटना के वक्त 5 लोग सवार थे. वह ओडिशा के संबलपुर में शादी में शामिल होने के लिए गए थे. पुलिस घटना के संबंध में जांच कर रही है.घटना के वक्त कार में 5 लोग सवार थे. राहगीरों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने वाहन में मौजूद लोगों को बाहर निकाला. सभी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगांव लाया गया. डॉक्टरों ने दो महिलाओं की मृत घोषित कर दिया. वहीं घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया है. पुलिस ने वाहनों को मार्ग से हटाया, ताकि यातायात प्रभावित न हो. मृतकों के शवों को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. वहीं हादसे के कारणों की जांच और मृतकों की पहचान करने के लिए पुलिस जुटी हुई है.

खड़े ट्रक से टकराई कार, पांच युवक घायल

अंतागढ़ ,भानुप्रतापपुर,23 अक्टूबर। भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर घोड़ापत्थर के पास सड़क किनारे खड़े एक खराब ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार पांच युवक घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल युवकों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी युवक ग्राम केवटी से भानुप्रतापपुर की ओर आ रहे थे। बताया जा रहा है कि सभी एक ही परिवार के हैं। घोड़ापत्थर के पास पहुंचने पर उनकी कार सड़क किनारे खड़े खराब ट्रक से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांचों युवक घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

भानुप्रतापपुर पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। तीन युवकों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए अन्य अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक पिछले छह दिनों से सड़क किनारे खराब हालत में खड़ा था। ऐसे में मौके पर चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर या अन्य सुरक्षा इंतजाम नहीं होने की बात सामने आई है। घायल युवकों में से एक के अनुसार, सामने से आ रहे वाहन की तेज हेडलाइट के कारण सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और कार उससे जा भिड़ी। घटना ने सड़क किनारे लंबे समय तक खराब वाहन खड़े रहने और उनके आसपास पर्याप्त सुरक्षा संकेतक लगाए जाने की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि ट्रक के पास उचित चेतावनी संकेतक लगाए गए होते, तो संभवतः वाहन चालकों को पहले से सतर्क होने का मौका मिल सकता था।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा- शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड में कोई भी व्यावसायिक या आवासीय परिसर नहीं बनेगा

रायपुर,23 अक्टूबर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने स्पष्ट किया कि बीटीआई ग्राउंड शंकर नगर में कोई भी व्यावसायिक या आवासीय परिसर नहीं बनेगा। जो भी परिसर बनेगा बीटीआई ग्राउंड से लगकर सरकारी कर्मचारियों के जो जर्जर मकान हैं वहां बनेगा। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर में नुआखाई भेंटघाट आयोजन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति प्रदेशवासियों के लिए गौरवपूर्ण व प्रेरणादायी क्षण रहा। पुरंदर मिश्रा ने आज प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे पास उपलब्धियां गिनाने के लिए काफी कुछ है। नवनिर्मित कचना ओव्हर ब्रिज इस बात का उदाहरण है। आगे पंडरी रोड पर खालसा स्कूल के पास भी ओव्हर ब्रिज बनेगा। यह पूछे जाने पर छत्तीसगढ़ मंत्री मंडल में

फेरबदल की चर्चा चल रही है, क्या आप फिर से मंत्री पद की दौड़ में हैं, उन्होंने कहा कि प्रदेश में उत्कल समाज के लोगों की संख्या 35 लाख है. यही सत्य है बाकी सब नगण्य है। उत्कल गाड़ा समाज की एक लॉबी आपके खिलाफ काम कर रही है इस पर क्या कहेंगे, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि वो हमारे भाई हैं। मतभेद तो पति-पत्नि के बीच भी होते हैं। एक दूसरे के विरोध करने से ही हम आगे बढ़ते हैं।

पुरंदर मिश्रा ने कहा कि नुआखाई भेंटघाट के पावन अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ आगमन हुआ। राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में राजधानी रायपुर में नुआखाई भेटघाट, सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन कार्यक्रम हमारे लिए गौरव और प्रेरणा का अविस्मरणीय अवसर रहा। इस आयोजन का उद्देश्य केवल सास्कृतिक उत्सव मनाना नहीं, बल्कि संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा और युवा सशक्तिकरण को एक साझा मंच पर लाना था। नुआखाई हमारी कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्नदाता किसान के सम्मान और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। अपनी सास्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक विकास की ओर आगे बढ़ना ही इस आयोजन की मूल भावना है। वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे। विकसित भारत का हमारा संकल्प केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जिसमें रोजगार सृजन, नई तकनीक का उपयोग एवं नवाचार होगा।

जियो स्टार में जसवंत कर रहे छग हॉकी लीग की कमेंटरी

रायपुर। टेलीविजन के लिए छत्तीसगढ़ से प्रथम अंतरराष्ट्रीय खेल कमेंटेटर जसवंत कुमार क्लाडियस राजधानी में चल रहे छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में अपनी आवाज के मायम से खेल की बारिकियों का प्रदर्शन कर

रहे हैं। हॉकी लीग की कमेंटरी के लिए क्लाडियस का चयन जियो स्टार ने किया है। एक नवम्बर तक स्क्रीनिंग का समय शाम साढ़े पांच बजे से है। ज्ञात हो कि वे दूरदर्शन के राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेल कमेंटेटर व एंकर है। खेल पर उनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी ह। अभी तक उनके 1412 आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। क्लाडियस 12 देशों की यात्रा कर चुके हैं।

हूतियों हमले में 14 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली,23 अक्टूबर। यमन के तट के पास एक नौका पर हमले की खबर को लेकर भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह पूरे मामले की जानकारी जुटा रहा है. ईरान समर्थित हूतियों ने दावा किया कि सऊदी अरब ने लाल सागर में युकार आईलैंड के पास जिस नाव पर हमला किया है उस पर 14 भारतीय सवार थे. लाल सागर में एक बार फिर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है. सऊदी अरब की सेना ने लाल सागर में यमन के तट के पास युकर द्वीप के नजदीक एक भारतीय नौका को निशाना बनाया. ईरान समर्थित हूतियों ने दावा किया कि सऊदी के हमले के बाद उसकी सेना ने नाव पर सवार लोगों को बचाया. यमन के हूती विद्रोहियों का कहना है कि लाल सागर में जुक़र द्वीप के पास भारतीयों से भरी नाव को सऊदी अरब ने निशाना बनाया गया. बताया जा रहा है कि इस नौका पर तौर पर भारतीय नागरिक सवार थे. यमन में भारतीय दूतावास ने बताया कि घटना के हालात और सही तथ्यों का पता लगाने के लिए अलग-अलग पक्षों से संपर्क किया गया है. लाल सागर में युकार आईलैंड के पास जिस नाव पर हमला किया है उस पर 14 भारतीय सवार थे. यह घटना ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच हुई है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं.

कांग्रेसी बताएं जनजाति समाज के लिए क्या किया: सीएम

रायपुर,23 अक्टूबर। मुरिया दरबार के राजनीतिकरण के आरोप पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि जिस जनजाति समाज का कांग्रेस ने लगातार वोट बैंक के रूप के उपयोग किया, आज वह समाज कांग्रेस को छोड़ चुका है. जनजाति समाज का हम लगातार विकास कर रहे हैं. कांग्रेस के लोग बताएं कि इतने साल देश में राज किया, तब जनजाति समाज के लिए क्या किया? राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के साथ जगदलपुर के लिए रवाना होने से पहले रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चर्चा की. इस दौरान उन्होंने दौरे को लेकर कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक दिन है. बस्तर में सब से लंबा बस्तर दशहरा मनाया जाता है. पहली बार देश की राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में शामिल हो रही है. विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की करीब 700 साल पुरानी परंपरा मुरिया दरबार के नाम को लेकर विवाद तब खड़ा हुआ, जब बस्तर दशहरा के कार्यक्रमों की जानकारी देने वाले प्रशासनिक पाम्पलेट में मुरिया दरबार की जगह 'आम दरबार' छाप दिया गया. इसके बाद सोशल मीडिया में यह बातें तैरने लगी और जमकर इस बदलाव को लेकर सवाल उठने लगे. मामला गरमाने के बाद जिला प्रशासन ने सोमवार को नया पाम्पलेट जारी किया है,

जिसमें 'आम दरबार' की जगह फिर से 'मुरिया दरबार' नाम दर्ज किया गया है. मुरिया दरबार बस्तर की ऐतिहासिक और पारंपरिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है. राजशाही के दौर में राजा इस दरबार में बैठते थे, जहां गांवों के मांझी-चालकी अपने क्षेत्र की समस्याएं रखते थे और राजा उनका समाधान करते थे. राजशाही समाप्त होने के बाद भी यह परंपरा जारी है. अब मुख्यमंत्री इस दरबार में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं. पिछले वर्ष केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मुरिया दरबार में शामिल हुए थे, जबकि इस बार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दरबार में शामिल होने का कार्यक्रम है जहां वे मांझी-चालकी और अन्य पारंपरिक प्रतिनिधियों से उनके गांवों की समस्याएं सुनेंगी.

19 लाख रुपए के लालच में शिक्षिका और बेटे की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर,23 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में शिक्षिका और उसके बेटे की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसने पैसों के लालच में हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया था। बता दें कि 10 अक्टूबर को जयनगर थाना क्षेत्र में महावीरपुर कालीघाट रोड के पास मुख्य मार्ग से करीब 25 मीटर की दूरी पर सुजल बरेठ (18) का शव संदिग्ध हालत में बरामद किया गया था। वहीं उसकी मां रजनी बरेठ का शव केशवनगर स्थित घर में संदिग्ध हालत में मिला था, जिसके बाद से पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई थी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और कार नंबर से आरोपी प्रवेश कुमार तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रवेश कुमार ने पूछताछ में बताया कि वह ऑटो पार्टस का काम करता है और पैसों की तंगी के चलते उसने हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया था। बताया जा रहा है कि आरोपी की पत्नी और मृतका रजनी बरेठ एक ही स्कूल में पदस्थ थी। आरोपी को उसकी पत्नी ने बताया था कि रजनी ने 19 लाख रूपए का लोन लिया हैं, जिसके बाद आरोपी इस रकम को हड़पने के लिए उसके घर पहुंचा

और उससे पैसों की मांग की। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया और उसने स्टील की बोतल से उसके सिर पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं इसके बाद आरोपी ने बाथरूम में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद हत्या का राज खुलने के डर से आरोपी ने रजनी के बेटे सुजल बरेठ को भी मौत के घाट उतार दिया। इस वारदात को उसने बड़े शातिराना तरीके से अंजाम दिया। पहले तो उसे गुमराह किया कि उसकी मां हमारे घर पर है और फिर घुमाने के बहाने उसे कार में अपने साथ ले गया। खिलाने-पिलाने के बाद लौटते हुए राई जंगल में ले गया और वहां उसकी सीमेंट के खंभे के टुकड़े से सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी ने वारदात के बाद मृतका का मोबाइल, घर के पेपर और ज्वेलरी अपने ससुराल अंबिकापुर में रखा था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

जापान पैरा एशियन गेम्स में छग के अभिजीत ने जीता कांस्य पदक

बिलासपुर,23 अक्टूबर। जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में बिलासपुर के अभिजीत सखूजा ने पैरा बैडमिंटन में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है. जापान में पैरा एशियन गेम्स का आयोजन 18 से 24 अक्टूबर तक हो रहा है. टूर्नामेंट में अभिजीत सखूजा ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा. क्वालीफाइंग राउंड के तीनों मुकाबलों में एकतरफा जीत दर्ज की. इसके बाद उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के चेन फेंग्फेई को 21-12, 21-8 से हराया. क्वार्टर फाइनल में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी

और भारतीय खिलाड़ी सूर्यकांत यादव को सीधे सेटों में 21-16 व 21-12 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की. सेमीफाइनल में उनका मुकाबला विश्व के नंबर-2 खिलाड़ी शिवकुमार नवीन से हुआ. अभिजीत ने महज 21 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल कर प्रदेश के सबसे युवा पैरा एशियन गेम्स मेडलिस्ट बनने का गौरव भी हासिल किया है. ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स व एशियन गेम्स में हमारे खिलाड़ी लगातार अपना लोहा मनवा रहे हैं. हॉकी खिलाड़ी रेणुका यादव प्रदेश की पहली महिला ओलंपियन बनीं. 2026 में हमारे तीन खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमके हैं. इसमें पहला नाम राजनांदगांव की ज्ञानेश्वरी यादव का है, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता. वहीं, एशियन गेम्स में कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी ने भारत को गोल्ड दिलाने में अहम भूमिका निभाई. अब अभिजीत ने भी कांस्य पदक हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है.

चिन्मय मिशन सिर्फ एक संस्था नहीं, ये चिन्मय विचार हैं: मोदी

नई दिल्ली,23 अक्टूबर। नई दिल्ली में चिन्मय अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1993 में स्वामी चिन्मयानंद से हुई मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि उस बातचीत का मुख्य विषय युवाओं के सशक्तिकरण से सक्षम भारत का निर्माण करना था। साथ ही, उन्होंने स्वामीजी द्वारा शिकागो की विश्व धर्म संसद का आमंत्रण स्वीकार करने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 1993 में स्वामी चिन्मयानंद के साथ हुई अपनी आखिरी मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि उस बातचीत का मुख्य विषय युवाओं को सशक्त बनाना था, ताकि वे एक मजबूत और सक्षम भारत का निर्माण कर सकें। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन' को संबोधित करते हुए, मोदी ने यह भी बताया कि कैसे इस आध्यात्मिक गुरु ने शिकागो में 'पार्लियामेंट ऑफ द वर्ल्ड्स रिलीजन्स' (विश्व धर्म संसद) की शताब्दी समारोह में शामिल होने के उनके निमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।

प्रधानमंत्री ने इस आयोजन को एक बेहद निजी और आध्यात्मिक अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक ने उन्हें स्वामी चिन्मयानंद के साथ बिताए पलों की याद दिला दी है। यह कार्यक्रम 'चिन्मय मिशन' के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है, जिसकी स्थापना 1951 में इसी आध्यात्मिक गुरु ने की थी।

मोदी ने बताया कि फरवरी-मार्च 1993 के आसपास वे स्वामी चिन्मयानंद से मिले थे। उन्होंने स्वामी जी को शिकागो में होने वाले 'पार्लियामेंट ऑफ द वर्ल्ड्स रिलीजन्स' (विश्व धर्म संसद) के शताब्दी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद के उस ऐतिहासिक भाषण के 100 साल पूरे होने का भी प्रतीक था, जो उन्होंने इसी मंच से दिया था। मोदी ने कहा मैं उन्हें अमेरिका के शिकागो में होने वाले 'पार्लियामेंट ऑफ द वर्ल्ड्स रिलीजन्स' के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने गया था। यह स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण के 100 साल पूरे होने का भी अवसर था। उन्होंने आगे बताया कि स्वामी चिन्मयानंद ने निमंत्रण स्वीकार किया और अमेरिका गए, जहाँ उन्होंने इस समारोह का प्रचार किया और लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की। हालाँकि, 11 सितंबर को शिकागो में होने वाले इस आयोजन से कुछ हफ्ते पहले ही, 3 अगस्त को सैन डिएगो में इस आध्यात्मिक गुरु का निधन हो गया। मोदी ने कहा इस आयोजन से कुछ हफ्ते पहले, 3 अगस्त को सैन डिएगो (अमेरिका) में गुरुदेव का निधन हो गया और वे हम सबको छोड़कर चले गए।

एक गाँव ऐसा जहां तीन दिनों बाद मनता है दशहरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अक्तूबर। तो पूरे भारत में विजयादशमी का पर्व दशहरा शारदीय नवरात्रि के पश्चात दशमी तिथि को मनाया जाता है, लेकिन दुर्ग जिले में स्थित ग्राम बोरई में दशहरा दशमी को नहीं, बल्कि तीन दिन बाद क्वार माह के तेरस के दिन मनाया जाता है।

ऐसे हुई शुरुआत और बनी परंपरा

तेरस के दिन दशहरा मनाने के पीछे की कहानी बड़ी रोचक है। लगभग 50 वर्षों से भी पूर्व की बात है, गाँव के बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि उन दिनों गाँव के लोगों के द्वारा ही गाँव में 11 दिनों तक रामलीला का मंचन किया जाता था। रामलीला बड़ी रोचक होती थी और उसकी प्रसिद्धि इतनी थी कि आसपास के गाँव के लोग रोज रामलीला देखने बोरई आते थे। दूर गाँव के लोग भी अपने सगे-संबंधियों के यहाँ आकर रुकते थे। उस समय ऐसा कोई घर नहीं होता था जहाँ मेहमान न रहते हों।एक दिन आसपास के ग्रामीण इकट्ठा होकर बोरई के ग्राम प्रधान के पास एक प्रस्ताव लेकर पहुंचे कि सभी जगह दशमी को एक साथ दशहरा उत्सव के छोटे आयोजन होते हैं, जिसमें लोग शामिल होते हैं, लेकिन बोरई की रामलीला को कोई छोड़ना भी नहीं चाहता। अगर बोरई का आयोजन तीन दिन बाद रखा जाए तो और अधिक लोगों का समावेश होगा।

इतना सुनते ही ग्राम प्रधान ने तुरंत ही हामी भर दी और तब से आज तक रामलीला की वजह से तेरस की तिथि के दिन दशहरा उत्सव मनाने की शुरुआत हुई, जो एक परंपरा के रूप में आजपर्यंत जारी है।

इस वर्ष भी होगा भव्य आयोजन

ग्राम बोरई में पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी तेरस यानी 23 अक्टूबर को दशहरा का पर्व बड़े धूमधाम से मनाने की तैयारी चल रही है और रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी होगी।

हालांकि इस आधुनिकता की दौड़ में अब कुछ धार्मिक व सामाजिक परम्पराएं पीछे छूटती दिखाई देती हैं और व्यस्तताओं की वजह से इसका आयोजन अब सिमटने लगा है। 11 दिनों का आयोजन अब 3 दिनों में सिमट कर रह गया है। लेकिन बोरई में आज भी लोगों की अपार भीड़ के बीच तेरस को उतने ही हर्षोल्लास के साथ विजयादशमी का पर्व मनाया जाता है।

भगवान श्रीराम की भूमिका निभाने वाले कलाकारों ने साझा किए अनुभव

अपने किशोरावस्था में भगवान श्रीराम की भूमिका निभाने वाले केवेंद्र देशमुख और देवेंद्र सिन्हा अपने अनुभव साझा करते हुए कहते हैं कि उन दिनों सारे कलाकारों को तीन महीने पहले ही उनके संवाद दे दिए जाते थे और गणेश पक्ष से ही रिहर्सल शुरू कर देते थे। वे कहते हैं कि उन्हें जब भगवान राम के रूप में पूजा जाता था तब वे अपने आप को अलौकिक दुनिया से जुड़ा हुआ महसूस करते थे। ऐसे आयोजन हमारी धार्मिक परम्पराओं की धरोहर हैं।

गाँव के पूर्व ग्राम प्रधान एवं पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष रिवेंद्र यादव का मानना है कि आधुनिकता की दौड़ में पारंपरिक आयोजनों का स्वरूप जरूर परिवर्तित हुआ है, लेकिन युवा पीढ़ी पूर्वजों की परम्पराओं के निर्वहन में लगी है और इस वर्ष भी विजयदशमी का पर्व ग्राम बोरई में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

रिसाली में आज से संत निरंजन महाराज का श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रिसाली, 23 अक्टूबर। रिसाली के प्रगति नगर स्थित माँ परमेश्वरी भवन ,सड़क नम्बर 20 में 23 से 31 अक्टूबर तक भागवत सप्ताह होगा।भागवताचार्य संत निरंजन महाराज भागवत आश्रम लिमतरा आश्रम वाले दोपहर 1 शाम 5 बजे तक कथा सुनाएंगे।

प्रथम दिवस वेदी पूजन, गोकर्ण,24 को राजा परिक्षित श्राप ,25 को बराह अवतार,26 को धूरु चरित्र ,27 को वामन अवतार ,28 को श्रीकृष्ण जन्म उत्सव 29 को रुखमणी विवाह ,30 को सुदामा चरित्र 31 अक्टूबर को गीता सार कथा समापन होगा ।आयोजक देवांगन परिवार ने धर्मलाभ लेने की अपील की है।

एक नजर

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी, 4 जनवरी 2027 को होगा अंतिम प्रकाशन

भिलाई, 23 अक्टूबर (तछसं.)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के द्वारा निर्वाचन नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संबंध में समयबद्ध कार्यक्रम जारी किया गया है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण 2 नवंबर 2026 तक पूरा किया जाएगातथा निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन दिनांक 12 नवम्बर 2026 को किया जाकर इसी तिथि से दिनांक 11 दिसंबर 2026 तक दावे / आपत्ति प्राप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। दिनांक 28 दिसम्बर 2026 तक दावे / आपत्ति के निराकरण पश्चात् दिनांक 04 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा ।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्रवाई समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

भिलाई, 23 अक्टूबर (तछसं.)। भिलाई पैदल घर जा रहे युवक को अज्ञात वाहन चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई अंजोरा चौकी पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ धारा 184, 106 (1) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है पुलिस ने बताया कि प्रकाश साहू (33 साल) पिता मनहरण साहू निवासी ग्राम रसमड़ा चौकी अंजोरा 9 अक्टूबर को महावीर चौक रसमड़ा से पैदल अपने घर जा रहा था शाम लगभग 7.30 बजे अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए प्रकाश साहू को टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया उसे तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया वहां से रेफर कर उसे आरोग्यम अस्पताल दुर्ग में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान 19 अक्टूबर को उसकी मृत्यु हो गई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार

भिलाई, 23 अक्टूबर (तछसं.)। भिलाई

नेवई थाना क्षेत्र में स्टेशन मरोदा रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर धारदार हथियार लहराकर आम नागरिकों को डराने-धमकाने की सूचना पर त्वरित कार्रवाई की पुलिस टीम ने गवाहों की उपस्थिति में मौके पर पहुंच कर घेराबंदी की तथा आरोपी को हथियार सहित पकड़कर वैधानिक कार्रवाई की नेवई टीआई अनिल साहू ने बताया कि स्टेशन मरोदा स्थित रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर एक व्यक्ति स्टील का नुकीले आकार का धारदार हथियार लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गवाहों को तलब किया और हमराह स्टाफ के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंची मौके पर एक व्यक्ति स्टील का धारदार हथियार लहराते हुए मिला। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा पूछताछ में उसने अपना नाम करन निहाल उर्फ चेरी उम्र (28 साल) निवासी शंकरपारा उड़िया बस्ती स्टेशन मरोदा बताया आरोपी के कब्जे से स्टील का नुकीले आकार का धारदार हथियार बरामद हुआ आरोपी को जेल भेज दिया गया है ।

पुलिस से विवाद,दो पर एफआईआर

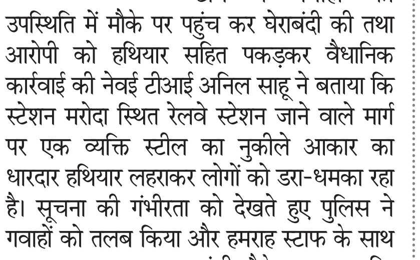

भिलाई, 23 अक्टूबर (तछसं.)। भिलाई में यातायात नियमों का पालन कराने के दौरान पुलिसकर्मियों से विवाद और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है यातायात जोन सिविक सेंटर, भिलाई में टीआई जनक राम कुर्रे की शिकायत पर भिलाई नगर थाने पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है आरोप है कि कार सवार युवकों ने चालानी कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मियों से अभद्रता मारपीट की गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी पुलिस ने मामले में बीएनएस की छह धाराओं के तहत अपराध दर्ज करके आरोपी सौरभ शुक्ला और नितिन राय को गिरफ्तार किया है दोनों को जेल भेज दिया गया है भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि घटना 21 अक्टूबर की रात करीब 12.30 बजे की है।

यातायात निरीक्षक जनक राम दशहरा और दुर्गा विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे उसी दौरान सेक्टर-5 में कार क्रमांक सीजी 07 सीआर 3060 के चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कार में सवार सौरभ और नितिन ने कार्रवाई के दौरान विवाद शुरू कर दिया। गाली गलौच करते धक्का मुक्की की।

कुथरेल में जिले का सबसे बड़ा दशहरा उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 23 अक्टूबर। विजयादशमी के पावन पर्व पर दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के ग्राम कुथरेल में सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति द्वारा आयोजित जिले का सबसे बड़ा दशहरा उत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री रामचंद्र, माता जानकी और संकटमोचन हनुमान जी की विधिवत आरती-पूजा के साथ हुआ। इसके पश्चात ग्राम के बाल कलाकारों द्वारा भव्य रामलीला का सजीव मंचन किया गया। राम-रावण युद्ध और लक्ष्मण-मेघनाद के बीच हुए शक्ति-प्रदर्शन के संवाद ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों के जीवंत अभिनय की उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहना की।

पूर्व मंत्री का संदेश - बुराई पर अच्छाई की जीत

अपने उद्बोधन में पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने समस्त क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं

शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दशहरा केवल रावण दहन का प्रतीक नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपे अहंकार, क्रोध, लोभ और बुराई रूपी रावण को समाप्त करने का संकल्प लेने का पर्व है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के कलयुग में टीवी और मोबाइल संस्कृति के कारण समाज में बुराइयां तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे युवा पीढ़ी भटक रही है। हमें अपने बच्चों को राम के आदर्शों, सत्य, मर्यादा और संस्कारों से जोड़ना होगा। यही सच्ची विजयादशमी होगी।इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू ने भी अपने विचार रखे और सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत दुर्ग के सभापति द्वारा ग्राम कुथरेल के विकास हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। जिनमें शामिल हैं आबादी पारा नहर पुलिया के पास ओपन जिम की स्थापना, स्वच्छता के लिए 02 नग कचरा रिक्शा का क्रय बालक मिडिल स्कूल में शौचालय का निर्माण, पारधी पारा में मोटर पंप एवं पानी टंकी की स्थापना,जलेंद्री तालाब के पास ओपन जिम की स्थापना,ग्राम के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर बैठने के लिए कुर्सियों की स्थापना।कार्यक्रम के अंत में ग्राम सरपंच ने सभी अतिथियों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

मेला और आतिशबाजी रही आकर्षण का केंद्र

इस भव्य दशहरा उत्सव को देखने के लिए दुर्ग-भिलाई सहित पूरे जिले से हजारों की संख्या में दर्शक उमड़े। मेले में बच्चों के लिए झूले, चाट-पकौड़ी की दुकानें आकर्षण का केंद्र रहीं। शाम होते ही दशहरा मैदान में की गई शानदार और रंग-बिरंगी आतिशबाजी से पूरा आसमान जगमगा उठा, जिसे देख दर्शक रोमांचित हो उठे।इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू,पूर्व मंत्री रमशीला साहू,सभापति, जनपद पंचायत दुर्ग लोमश चन्द्राकर,सरपंच ग्राम पंचायत कुथरेल गीता गजपाल उपसरपंच, लोकनाथ साहू, सरपंच अंडा दिग्विजय सिन्हा,पदाधिकारी गण अध्यक्ष पुष्पेन्द्र चन्द्राकर (विक्की)उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार साहू, नरेन्द्र दास मानिकपुरी,कोषाध्यक्ष टीकाराम साहू,सचिव नारायण प्रसाद यादव, अभिषेक चन्द्राकरसह सचिव - पीला चन्द्राकर, देवलाल देवांगन सहित ग्रामीण जन हजारों की संख्या में उपस्थित थे।

सीएम कोलता समाज के कार्यक्रम में शामिल होंगे कलेक्टर,एसपी ने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया

महासमुंद 23 अक्टूबर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का शनिवार, 24 अक्टूबर को महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत गढ़फुलझर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना प्रस्तावित है। रामचंडी 2026 के अवसर पर बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज द्वारा श्री श्री रणेश्वर रामचंडी मंदिर परिसर में वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार, अधिकारियों एवं समाज के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल श्री श्री रणेश्वर रामचंडी मंदिर एवं परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आयोजन से संबंधित आवश्यक तैयारियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कोलता समाज के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना प्रस्तावित है। साथ ही बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज रायपुर के अध्यक्ष श्री गिरधारी साहू अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद संबलपुर लोकसभा ओड़िशा, पूर्व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार श्री धमेंद्र प्रधान, खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल, सासंद महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चैधरी, विधायक बसना डॉ सम्पत अग्रवाल शामिल होंगे। इसी तरह विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, विधायक खल्लारी श्री द्वारिकाधीश यादव, विधायक सरायपाली श्रीमती चातुरीनंद, विधायक रायपुर श्री पुरन्दर मिश्रा एवं पूर्व विधायक श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह शामिल होंगे।

युवक ने महिला की डंडे मारकर हत्या की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अक्टूबर । दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में चुनकट्टा गांव में बकरी पालन को लेकर हुए सामाजिक विवाद ने एक दर्दनाक मोड़ ले लिया साहू समाज में बकरी नहीं पालने की परंपरा का हवाला देकर एक युवक ने (52 साल) महिला पर डंडे से प्राणघातक हमला कर दिया जिस से इलाज के दौरान देर रात महिला की मौत हो गई? उतई पुलिस ने बताया कि चुनकट्टा गांव की निवासी कुमारी बाई साहू (52 साल) अपनी आजीविका चलाने के लिए बकरी पालन करती थीं वहीं गांव का ही निवासी अर्जुन साहू लंबे समय से उसके इस कार्य का विरोध कर रहा था अर्जुन का मानना था कि साहू समाज के दृष्टिकोण से बकरी पालन करना ठीक नहीं है गुरुवार देर शाम इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई आवेश में आकर अर्जुन साहू ने डंडे से कुमारी बाई के सिर और शरीर पर

ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं घटना के बाद लहूलुहान अवस्था में परिजनों ने महिला को तत्काल श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया देर रात लगभग ढाई बजे इलाज के दौरान कुमारी बाई ने दम तोड़ दिया घटना के संबंध में प्रार्थी अजीत साहू की शिकायत के आधार पर उतई थाने पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अर्जुन साहू को हिरासत में ले लिया है

आपसी विवाद में दोस्त की हत्या कर दी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अक्टूबर । दुर्ग मोहन नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक युवक ने अपने ही दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया हमले में (19 साल) शिवा कुमार की मौके पर ही मौत हो गई वारदात के बाद

आरोपी लक्ष्मी नारायण सारथी फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है घटना के चंद घंटे बाद ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया नशा करने से रोकने पर शुरू हुआ विवाद मोहन नगर टीआई केशव राम कोशले ने बताया कि घटना गुरुवार रात करीब 9 बजे की है उरला बॉम्बे आवास निवासी शिवा कुमार (19 साल) अपने दोस्तों के साथ मौजूद था इसी दौरान शिवा और उसके दोस्त लक्ष्य कुमार के बीच नशा करने से मना करने की बात को लेकर कहासुनी हो गई बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया। इसी बीच लक्ष्य ने गुस्से में आकर शिवा पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से शिवा गंभीर रूप से घायल हो गया गंभीर चोट लगने से युवक की मौत? चाकू से हमला किए जाने के बाद शिवा के शरीर से काफी खून बह गया। गंभीर हालत के चलते उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी लक्ष्मी (20 साल) मौके से फरार हो गया था? घटना की जानकारी मिलते ही मोहन नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

कांकेर, 23 अक्टूबर । मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए पात्र विद्यार्थियों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान एवं निम्न आय वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यावसायिक संस्थानों जैसे आईआईटी, एआईआईएमएस, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबीएस, नीट, आईआईआईटी में चयन एवं प्रवेश के उपरांत तात्कालिक सहायता उपलब्ध कराना हैआदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाइन आवेदन कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कांकेर में 30 अक्टूबर तक जमा करना होगा। आवेदन पत्र का प्रारूप कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कांकेर से अथवा विभागीय पोर्टल https://eklavya.cg.nic.in/ से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

धान खरीदी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, सभी 163 उपार्जन केंद्रों में सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करें:कलेक्टर

कांकेर, 23 अक्टूबर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आज कलेक्टोरेट में संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जिले के सभी 163 धान उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थित एवं पारदर्शी खरीदी सुनिश्चित करने तथा किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा अनियमितताओं पर जीरो टॉलरेंस के साथ कार्रवाई की जाएगी।

सड़क एवं पुल-पुलियों की मरम्मत समय पर करें-कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) एवं लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी शुरू होने से पहले आवश्यकतानुसार सड़कों, पुलों एवं पुलियों की मरम्मत सुनिश्चित करें, ताकि किसानों को उपार्जन केंद्रों तक धान पहुंचाने में परेशानी न हो। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को अपने-अपने क्षेत्र के धान उपार्जन केंद्रों का स्वयं निरीक्षण कर वहां की समस्याओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेने तथा नियमानुसार उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खरीदी केंद्रों में सीसीटीवी, जिले में बनेगा सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम-कलेक्टर ने सभी धान उपार्जन केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा जिले में सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि धान खरीदी प्रक्रिया की सतत निगरानी की जा सके। उन्होंने संबंधित समिति प्रबंधकों के माध्यम से सीसीटीवी व्यवस्था सुनिश्चित कराने तथा इसकी निगरानी कलेक्टर स्तर से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक किसानों से ही धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए ।

आईआईटी भिलाई छठे दीक्षांत समारोह के आयोजन के लिए तैयार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अक्टूबर । प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी भिलाई 24 अक्टूबर 2026 को अपने परिसर स्थित नालंदा हॉल में छठे दीक्षांत समारोह का आयोजन करने जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार सारस्वतए पूर्व सदस्य नीति आयोगय पूर्व सचिवए रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग एवं महानिदेशक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा भारत सरकार के रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकारए मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और दीक्षांत भाषण देंगे। आईआईटी भिलाई के बोर्ड गवर्नर के अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

इस दीक्षांत समारोह में वर्ष 2026 में स्नातक उत्तीर्ण करने वाले कुल 313 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। वर्ष 2026 के स्नातक बैच में 19 पीएचडीए 37 एमएससीए 79 एमटेक 08 बीटेक ऑनर्स तथा 170 बीटेक के विद्यार्थी शामिल हैं। अपने बैच में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले बीटेक विद्यार्थी को संस्थान स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहींए शैक्षणिक एवं पाठ्येत गतिविधियों दोनों क्षेत्रों में समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बीटेक और एमटेक के विद्यार्थियों को निदेशक स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। बीटेकए बीटेक ;ऑनर्सद्ध और एमएससी कार्यक्रमों में समग्र शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला विद्यार्थी को उत्कृष्ट महिला विद्यार्थी हेतु निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। विभिन्न शाखाओं और कार्यक्रमों में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीनेट पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। भारत सरकार की पहल डिजिटल इंडिया के अनुरूपए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी भिलाई भी सतत विकास तथा पर्यावरण अनुकूल कार्यप्रणाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्री प्रमाणपत्र प्रदान करता है। डिजिटल डिग्री प्रमाणपत्र भारत के किसी शैक्षणिक संस्थान में लागू की गई अपनी तरह की पहली पहल है। अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित डिग्री प्रमाणपत्र दीक्षांत समारोह के दिन स्नातक विद्यार्थियों को पेन ड्राइव में प्रदान किया जाएगा।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई की स्थापना 7 अगस्त 2016 को हुई थी। इसका उद्घाटन तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावेकर और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने किया था। 14 जून 2018 को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्थान की आधारशिला रखी। इसके बाद 20 फरवरी 2024 को उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के अत्याधुनिक परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया। 27 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के फेज ठ निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। 31 मई 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई छत्तीसगढ़ सरकार और दुर्ग नगर निगम के संयुक्त सहयोग से विकसित आईटी पार्क का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया। यह राज्य का अपनी तरह का पहला आईटी पार्क है। इससे छत्तीसगढ़ में तकनीक नवाचार उद्यमिता अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे ।

पुलिस ने पंजाब एजेंसी कृषि केंद्र में हुई 4.10 लाख रुपये की चोरी का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 23 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव (आईपीएस) के निर्देशन में कबीरधाम पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने तथा चोरी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया श्री भूपत सिंह के पर्यवेक्षण में थाना पंडरिया पुलिस ने पंजाब एजेंसी कृषि केंद्र में हुई 4 लाख 10 हजार रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए आरोपी नंद राम श्रीवास, उम्र 37 वर्ष, निवासी ग्राम घोंठा, थाना पांडातराई, जिला कबीरधाम को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बचत नगदी रकम 1,49,080 रुपये, चोरी के पैसों से खरीदे गए चांदी के एक जोड़ी लच्छा तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन एवं लोहे का सब्बल सहित कुल 3,02,080 रुपये की संपत्ति जप्त की गई है।

प्रार्थी अमरीक सिंह सलूजा ने थाना पंडरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 की दरमियानी

रात कुकदूर तिराहा, पंडरिया के पास स्थित पंजाब एजेंसी कृषि केंद्र में अज्ञात चोर द्वारा सेंधमारी कर दुकान के काउंटर की दराज में रखी नगदी रकम 4,10,000 रुपये चोरी कर ली गई। रिपोर्ट पर थाना पंडरिया में अपराध क्रमांक 216/2026, धारा 331(4), 305 भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पंडरिया पुलिस द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण तथा मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्ध की पहचान एवं पतासाजी की गई।पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए आरोपी नंद राम श्रीवास के ग्राम घोंठा क्षेत्र में मिलने पर उससे पूछताछ की गई। विवेचना के दौरान आरोपी के मेमोरेंडम कथन के आधार पर चोरी की घटना से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री बरामद की गई, जिससे प्रकरण के खुलासे में सफलता मिली।आरोपी की निशानदेही पर नगदी एवं चांदी के आभूषण सहित अन्य सामग्री जप्त*

आरोपी के मेमोरेंडम कथन एवं निशानदेही के आधार पर उसके निवास से चोरी की बचत नगदी रकम 1,49,080 रुपये तथा चोरी के पैसों से खरीदे गए चांदी के एक जोड़ी लच्छा, कीमत लगभग 1,32,000 रुपये, जप्त किए गए।इसके अतिरिक्त वारदात में प्रयुक्त नीले रंग की बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल क्रमांक छ्त्र 10 श्रष्ठ 7263, कीमत लगभग 15,000 रुपये, सिम लगा रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन, कीमत लगभग 5,000 रुपये तथा सेंधमारी में प्रयुक्त लोहे का सब्बल, कीमत लगभग 1,000 रुपये, भी विधिवत जप्त किया गया। वारदात के दौरान आरोपी द्वारा पहने गए कपड़े भी जप्त किए गए हैं।इस प्रकार चोरी की बचत नगदी, चांदी के आभूषण तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन एवं लोहे के सब्बल की उपलब्ध अनुमानित कीमत के आधार पर कुल 3,02,080 रुपये की संपत्ति जप्त की गई है। कपड़ों का मूल्य इस राशि में शामिल नहीं है।

आरोपी को अदालत ने न्यायिक रिमांड में जेल भेजा

प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों एवं विवेचना के आधार पर आरोपी नंद राम श्रीवास को दिनांक 22.10.2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। मामले में अग्रिम विवेचना जारी है।

आरोपी आदतन आपराधिक प्रवृत्ति का है। इसके विरुद्ध पूर्व में कबीरधाम जिला के चौकी बैजलपुर में भी चोरी का मामला दर्ज है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पंडरिया पुलिस की प्रभावी कार्रवाई

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में कबीरधाम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी गणों के दिशा निर्देश पर थाना प्रभारी पंडरिया निरीक्षक श्री अजय सिन्हा व थाना पंडरिया पुलिस, एवं साइबर थाना टीम की सराहनीय भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

मोटोरोला की बिग बिलियन डेज़ सेल के दूसरे चरण में स्मार्टफोन्स पर आकर्षक ऑफर्स

रायपुर,23 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़)। मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दूसरे चरण के तहत अपने स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर विशेष त्योहारी ऑफर्स की घोषणा की है। #BigBillionMotoDeals के तहत ग्राहक कंपनी के प्रीमियम स्मार्टफोन्स को आकर्षक कीमतों पर खरीद सकते हैं।सेल के दौरान Motorola Edge 70 Fusion की शुरुआती कीमत 29,749 रुपये, Motorola Edge 70 Pro की 36,999 रुपये और Motorola Edge 70 Pro+ की कीमत 44,999 रुपये रखी गई है।इन स्मार्टफोन्स में एआई फीचर्स, प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम, प्रीमियम डिस्प्ले और दमदार बैटरी जैसे फीचर्स मिलते हैं। यह सेल फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है, जहां ग्राहक त्योहारी सीजन के दौरान इन स्मार्टफोन्स पर विशेष ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं।

जब तक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम चैन से नहीं जी सकते : समयप्रभ जी

राजनांदगांव ,23 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़) |जब तक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम चैन से नहीं जी सकते। हम अक्सर कहते रहते हैं कि हम चैन से जीना चाहते हैं किंतु वास्तविकता में हम कभी भी चैन से नहीं जी पाते।" उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य समयप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए।मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने फरमाया कि मन में शांति का होना जरूरी है। दुखी व्यक्ति ना तो खुद का विश्वास करता है और नहीं किसी दूसरे का विश्वास कर पाता है। आप वितराग परमात्मा पर विश्वास रखो। मुनि श्री समयप्रभ जी ने कहा कि नीति शास्त्र कहती है कि बुजुर्गों पर कभी हमला नहीं करना चाहिए, बच्चों पर कभी हमला नहीं करना चाहिए, निहत्थे पर कभी हमला नहीं करना चाहिए और पीठ दिखाकर भागने वालों पर हमला नहीं करना चाहिए। अनीति से केवल मन को संतुष्ट किया जा सकता है किंतु इसका परिणाम भयंकर होता है। सोचो - विचार करो कि हम कहां हैं! परंपरा को विवेक के साथ जोड़ो और आराधना करो। आराधना, विराधना में ना बदल जाए इसका ध्यान रखो। विवेकपूर्ण निर्णय लो।

महापौर मधुसूदन यादव पर बरसे नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले

राजनांदगांव,,23 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़) नगर निगम राजनांदगांव में विकास कार्यों के बजट आवंटन को लेकर कांग्रेस और सत्ता पक्ष के बीच तकरार तेज हो गई है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने पूर्व सांसद व वर्तमान महापौर मधुसूदन यादव पर कांग्रेस पार्षदों वाले वार्डों के साथ सौतेला व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महापौर के लिए पूरा शहर समान होना चाहिए, परंतु वर्तमान में राजनीतिक दल देखकर विकास राशि बांटी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधोसंरचना मद के तहत स्वीकृत 11 करोड़ 20 लाख 66 हजार रुपये की राशि सिर्फ भाजपा पार्षदों के वार्डों में खर्च की जा रही है। राजनांदगांव नगर निगम के कुल 51 वार्डों में से 9 वार्डों में कांग्रेस के पार्षद हैं। पिल्ले ने कहा कि उनके वार्ड क्रमांक 17 सहित वार्ड 11 और 29 जैसे क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं (सड़क, नाली, सफाई और पेयजल) के लिए फंड से पूरी तरह वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि जनता ने विकास की उम्मीद में प्रतिनिधि चुने हैं, ऐसे में पक्षपात करना नागरिकों के साथ अन्याय है। पिल्ले ने मांग की है कि 11.20 करोड़ रुपये के आवंटन में पारदर्शिता बरती जाए और सभी 51 वार्डों में आवश्यकतानुसार समान विकास कार्य कराए जाएं।

"जाबो"कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता का आयोजन

बलौदाबाजार, 23 अक्टूबर.भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को जागरूक करने "जाबो" (जाग वोटर) कार्यक्रम अंतर्गत जिले में विभिन्न आयोजन किये जा रहे है. इसी कड़ी मे मिनीमाता शासकीय कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार मे मानव श्रृंखला से स्वीप निर्माण,रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले मे मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य जारी है। मतदाताओं को जागरूक करने के लिये महाविद्यालयों मे जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। "जाबो" कार्यक्रम में समस्त शासकीय कार्यालयों एवं अशासकीय संगठनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता,समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वयं के नाम, परिवार के सभी सदस्यों के नाम निर्वाचक नामावली में हैं कि नहीं यह सुनिश्चित कराया जाना। यदि नहीं है, तो निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने की प्रक्रिया से उन्हें अवगत कराया जाना शामिल है।इसी प्रकार नाम,प्रविष्टियों में त्रुटि होने पर निर्वाचक नामावली में संशोधन की प्रक्रिया से भी अवगत कराना, निर्वाचक नामावली में परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन सहित मतदान प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत निबंध, वाद-विवाद, नारा लेखन, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने, संशोधन व विलोपित करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

गौरी नगर मे अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

अवैध रूप से मांस विक्रय करने वालो पर होगी कठोर कार्यवाही

राजनांदगांव 23 अक्टूबर। राजनांदगॉव निगम सीमाक्षेत्र के वार्ड नं. 13 गौरीनगर में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा था। अवैध निर्माण पर नगर निगम द्वारा संबंधित श्री अलीम खान को निर्माण तोडने नोटिस जारी किया गया था, जिसपर कार्यवाही करते हुए आज प्रशासन एवं निगम का अमला गौरीनगर में अवैध निर्माण को जे.सी.बी. से ढहाया गया। अवैध कारोबार पर महापौर श्री मधुसूदन यादव ने अवैध रूप से मास विक्रय करने वालो पर कठोर कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिए है। विदित है कि कुछ दिनों पूर्व गौरी नगर में अवैध कारोबार की जानकारी होने पर पुलिस प्रशासन द्वारा संबंधितो पर कार्यवाही की गयी थी। उसी दौरान जॉच करने पर शासकीय भूमि में अतिक्रमण कर मकान निर्माण संबंधी जानकारी प्राप्त हुई। जिसे संज्ञान में लेते हुए महापौर श्री यादव के निर्देश पर नगर निगम द्वारा गौरीनगर में अतिक्रमणकारी श्री अलीम खान पिता श्री लतीफ खान को अवैध रूप से मकान निर्माण कर अवैध कारोबार संचालित करने पर जनआक्रोष को देखते हुए नोटिस जारी किया गया। नोटिस उपरांत किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त नही होने पर आज सुबह प्रशासन एवं निगम का अमला अवैध निर्माण को जे.सी.बी. के माध्यम से ढहाने की कार्यवाही किए। इस दौरान निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम सहित एसडीएम श्री गौतम पाटिल,डीएसपी श्री एस.पी. तिवारी एवं तहसीलदार श्री प्यारेलाल नाग सहित प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा निगम प्रशासन के अधिकारी कर्मचारियों की मौजुदगी रही। अवैध निर्माण कर अवैध कारोबार संचालित करने वाले श्री अलीम खान का निर्माण तोडा गया। उक्त कारोबारी का अवैध रूप से मांस विक्रय करने पर पूर्व मे ठेला भी हटाया गया था। शहर में मांस विक्रय का अवैध कारोबार संचालन करने वालो पर कार्यवाही करने सर्वधर्म सभा द्वारा मांग संबंधी ज्ञापन के परिप्रेक्ष्य में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने नोटिस जारी करने निगम के स्वास्थ्य अमला को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि अवैध रूप से मांस विक्रय करने वाले को नोटिस देकर लायसेंस एवं दस्तावेज की जॉच करे तथा अवैध कारोबार पर कार्यवाही करे। साथ ही उन्होंने निगम द्वारा आबंटित दुकानों में भी अवैध रूप से मांस विक्रय करते पाये जाने पर आबंटन निरस्त करने के निर्देश दिए है। उन्होने कहा है कि पट्टाधारियो द्वारा अवैध कारोबार करने पर संबंधित का पट्टा निरस्तीकरण की जावेगी। महापौर ने कहा है कि किसी भी प्रकार के अवैध मांस विक्रय कारोबार पर जनभावनाओ के अनुरूप नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जावेगी।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

राजनांदगांव 23 अक्टूबर। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज न्यू सर्किट हाउस राजनांदगांव में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत संचालित निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले में स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं लंबित सड़कों, पुल-पुलियों तथा भवन निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। सचिव श्री बंसल ने पुराने एवं लंबित निर्माण कार्यों को आगामी दिसम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के कारण रूके निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने गुणवत्ताहीन एवं समय-सीमा में कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वीके भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। सचिव श्री बंसल ने जिले में सड़क निर्माण, चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यों में आ रही तकनीकी एवं प्रशासकीय समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण कर निर्धारित तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए। श्री बंसल ने विभिन्न शासकीय भवनों के निर्माण, मरम्मत एवं संधारण कार्यों की भी समीक्षा की।

उन्होंने निर्माणाधीन भवनों के कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, उनके कारणों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों में संलग्न श्रमिकों को दीपावली त्यौहार से पहले मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान समय पर होना चाहिए तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मजदूरी भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संत रविदास सम्मान के लिए 26 अक्टूबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

बलौदाबाज़ार 23 अक्टूबर. छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा सामाजिक समरसता, साहित्य और काव्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय 'संत रविदास सम्मान' के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में 26 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।संस्कृति विभाग द्वारा संत रविदास जी के सामाजिक समानता, समरसता और मानव कल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाने तथा साहित्य एवं काव्य के क्षेत्र में दीर्घकालीन साधना और विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस राज्य स्तरीय सम्मान की स्थापना की गई है। इस पहल के माध्यम से सामाजिक समानता, साहित्यिक सृजन और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य करने वाली प्रतिभाओं को पहचान एवं प्रोत्साहन मिलेगा।26 अक्टूबर तक जमा कर सकेंगे आवेदनसंस्कृति विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संत रविदास सम्मान के लिए निर्धारित प्रारूप में प्रविष्टियां 26 अक्टूबर 2026 को शाम 5:30 बजे तक जमा की जा सकेंगी। आवेदक अपनी प्रविष्टियां संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, द्वितीय तल, व्यावसायिक परिसर, सेक्टर-27, अटल नगर, नवा रायपुर में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं।

रामलीला में जीवंत हो रही संस्कृति और आस्था, पारस साहू निभा रहे श्रीराम का किरदार

■ तरुण छत्तीसगढ़

राजनांदगांव,23 नवंबर। करीब एक सदी से चली आ रही रामलीला की परंपरा आज भी पूरे उत्साह के साथ कायम है। रामलीला उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस मंचन में जिला साहू संघ के अध्यक्ष नोबल साहू लगातार 23 वर्षों से रावण की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, पारस साहू भगवान श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं। स्थानीय कलाकारों, समिति के सदस्यों और नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों के सहयोग से आयोजित यह रामलीला धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश जन-जन तक पहुंचा रही है।धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपरा का संगम मानी जाने वाली रामलीला का मंचन राजनांदगांव में लगभग 100 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। रामलीला उत्सव समिति द्वारा आयोजित यह ऐतिहासिक आयोजन वर्षों से लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस परंपरा की विशेष बात यह है कि जिला साहू संघ के अध्यक्ष नोबल साहू पिछले 23 वर्षों से लगातार रावण की भूमिका निभाते आ रहे हैं। विजयादशमी के अवसर पर उनका अभिनय रामलीला उत्सव का प्रमुख आकर्षण रहता है। वर्षों से एक ही भूमिका को निरंतर निभाकर नोबल साहू ने इस सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रामलीला में रावण का किरदार केवल एक पात्र का अभिनय नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश को जीवंत करने का माध्यम है। नोबल साहू पिछले 23 वर्षों से इस भूमिका को निभाकर रामलीला की परंपरा को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

उनके अभिनय के माध्यम से दर्शकों को रामायण की कथा और विजयादशमी के धार्मिक महत्व से जुड़ने का अवसर मिलता है। रामलीला में रावण के किरदार का विशेष महत्व होता है, क्योंकि यह प्रसंग अंततः अहंकार, अधर्म और बुराई पर सत्य, धर्म तथा अच्छाई की विजय का संदेश देता है। रामलीला के मंचन में भगवान श्रीराम की भूमिका भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है। इस वर्ष भगवान श्रीराम के किरदार में पारस साहू नजर आ रहे हैं। राम, रावण सहित रामायण के विभिन्न पात्रों के माध्यम से कलाकार कथा के प्रमुख प्रसंगों को मंच पर जीवंत करते हैं। इन प्रस्तुतियों के जरिए दर्शकों को मर्यादा, कर्तव्य, सत्य, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। रामलीला का मंचन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धार्मिक और नैतिक मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी है। रामलीला के इस आयोजन को सफल बनाने में नगर पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र साहू, उपाध्यक्ष छविधर साहू तथा नगर पंचायत के सभी पार्षदों का सहयोग मिल रहा है। रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष केशव साहू के नेतृत्व में आयोजन की गतिविधियां संचालित की जाती हैं। वहीं, संरक्षक अशोक साहू सहित समिति से जुड़े सदस्य और कलाकार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। रामलीला के मंचन में गंगादास वैष्णव, गोपाल यादव, रामजी साहू, ढालेंद्र साहू, रायसिंग देवांगन, राकेश सिन्हा, पवित्र साहू, सोहन साहू, कमलेश सेन, अशोक साहू टेलर, ज्ञानदास साहू और भारत सिन्हा सहित अन्य कलाकार विभिन्न भूमिकाएं निभाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान दे रहे हैं।

280 से अधिक दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों को वितरित किए गए 30 लाख रुपए से अधिक के सहायक उपकरण

राजनांदगांव 23 अक्टूबर। समाज कल्याण विभाग द्वारा सामर्थ्य शासकीय बौद्धिक मंदता वाले बालक-बालिकाओं के विशेष विद्यालय परिसर राजनांदगांव में पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से 280 से अधिक दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को जीवन सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सहायक उपकरण दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महापौर ने कहा कि एक वर्ष के भीतर बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। यह पहल जरूरतमंद लोगों को लाभान्वित करने तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने भी संबोधित किया। उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) तथा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों, नगर पंचायतों एवं नगरीय निकायों में मूल्यांकन शिविरों का आयोजन किया गया था। इन शिविरों के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों का चिन्हांकन किया गया। इसी क्रम में आयोजित वितरण शिविर में चिन्हांकित 280 से अधिक दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को 30 लाख रुपए से अधिक के सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

शेमारूमी की 'एक कन्या कुंवारी' में दिखेगी शादी और रिश्तों की मजेदार कहानी

मुंबई, शेमारूमी की नई हिंदी सीरीज़ 'एक कन्या कुंवारी' का प्रीमियर 22 अक्टूबर को हुआ। जाह्नवी गुरनानी और रौनक कामदार अभिनीत यह सीरीज शादी के रिश्तों, पारिवारिक उम्मीदों और अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की जद्दोजहद को मजेदार अंदाज में पेश करती है।वडोदरा की पृष्ठभूमि पर आधारित कहानी शिवानी दवे की है, जो शादी के लिए अलग-अलग रिश्तों से मिलते हुए परिवार की अपेक्षाओं और अपनी पसंद के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता राहुल भोले और विनीत कनोजिया द्वारा बनाई गई इस सीरीज में हास्य के साथ आत्मसम्मान, आपसी समझ और शादी के दबाव जैसे मुद्दों को भी उठाया गया है।सीरीज में जाह्नवी गुरनानी शिवानी और रौनक कामदार आकाश की भूमिका में हैं। इनके साथ अनुराग प्रपन्ना, छाया वोरा, अवा भट्ट और अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। गुजराती संस्कृति और पारिवारिक रिश्तों को दर्शाती यह सीरीज अब शेमारूमी पर उपलब्ध है।

खेत समतलीकरण के 40 हजार रुपये मांगने पर खूनी संघर्ष

सोनाखान/बलौदाबाजार,23 अक्टूबर। बंगलापाली गांव में पुरानी उधारी मांगना एक परिवार को भारी पड़ गया। खेत समतलीकरण के बकाए 40 हजार रुपये मांगने गए युवकों पर आरोपियों ने धारदार हथियार और ईंटों से जानलेवा हमला कर दिया। इस सनसनीखेज मामले में प्रार्थी और उसके मामा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस चौकी सोनाखान (थाना कसडोल) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के

निर्देशन में यह कार्रवाई की गई है। प्रार्थी ओमप्रकाश साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 21 अक्टूबर की रात वह और उसके मामा जागेश्वर साहू, गांव के कमलेश मांझी के पास दो वर्ष पुराने बकाए 40,000 रुपये मांगने गए थे। पैसे मांगने पर आरोपी भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान आरोपी लकेशरू मांझी ने पीछे से आकर हाथ में पहने धारदार चूड़े से ओमप्रकाश के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके मामा जागेश्वर पर दूसरे आरोपी शम्भू मांझी ने ईंट और हाथ-मुक्कों से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई। पुलिस कार्रवाई:पुलिस ने बीएनएस की गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर घटना में प्रयुक्त चूड़ा और ईंट जब्त कर लिया है। चारों आरोपी—लकेशरू मांझी, लकेश मांझी, कमलेश मांझी और शम्भू मांझी (सभी निवासी बंगलापाली)—को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

मोटोरोला की बिग बिलियन डेज़ सेल के दूसरे चरण में स्मार्टफोन्स पर आकर्षक ऑफर्स

रायपुर, मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दूसरे चरण के तहत अपने स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर विशेष त्योहारी ऑफर्स की घोषणा की है। #BigBillionMotoDeals के तहत ग्राहक कंपनी के प्रीमियम स्मार्टफोन्स को आकर्षक कीमतों पर खरीद सकते हैं।सेल के दौरान Motorola Edge 70 Fusion की शुरुआती कीमत 29,749 रुपये, Motorola Edge 70 Pro की 36,999 रुपये और Motorola Edge 70 Pro+ की कीमत 44,999 रुपये रखी गई है।इन स्मार्टफोन्स में एआई फीचर्स, प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम, प्रीमियम डिस्प्ले और दमदार बैटरी जैसे फीचर्स मिलते हैं। यह सेल फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है, जहां ग्राहक त्योहारी सीजन के दौरान इन स्मार्टफोन्स पर विशेष ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं।

नम आंखों से दी गई माता को विदाई

■ तरुण छत्तीसगढ़

सिमगा.नम आंखों से दी गयी माता को बिदाई। जोत जंवारा, व सांगधारीयों के नृत्य ने आमजन को खुब लुभाया। नगर सहित पुरे अंचल में आज नवरात्रि के दसवें दिन दुर्गा प्रतिमाओं का बड़े ही धूमधाम के साथ विसर्जन किया गया। साधकों द्वारा नौ दिनों तक माता दुर्गा के अनेक रूपों की उपासना करने बाद शिवनाथ नदी में देवी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। सिमगा नगर में विसर्जन कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक जारी रहा। इस दौरान प्रशासन ने शहर के अंदर चार पहिया सहित सभी बड़ी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाते हुए बेरिकेट लगाया था। देवी प्रतिमाओं के विसर्जन एवं झांकियों

के स्वागत व पुष्प वर्षा के लिए नगर पालिका अध्यक्ष हरदीप सिंह राजू भाटिया ने जय स्तंभ चौक में पंडाल लगाया था। जहां से उन्होंने नगर के सभी दुर्गा प्रतिमाओं, जोत जंवारा, जसगीत गायकों, सांगधारीयों, व झांकियों का जबरदस्त स्वागत किया।वहीं देवांगन समाज के पंडाल से पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा के साथ अनिल पांडे, कांग्रेस के पंडाल से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुनील माहेश्वरी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भागवत सोनकर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू भाटिया एवं छग क्रान्ति सेना व जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पंडाल से जोहार पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अध्यक्ष चंद्रकांत यदु, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र यदु ने देवी प्रतिमाओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सांग नृत्य देखने हजारों की रही भीड़ - सिमगा में सांगधारीयों का सांग नृत्य पुरे प्रदेश में अनुठा है जिसे देखने नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे आए हुए थे। सांग लेने वालों में बड़ो के साथ छोटे छोटे बच्चे युवा व युवतियां भी शामिल थी जिनके सांग नृत्य ने लोगो को खुब लुभाया। वहीं जसगीत व मांदर की धुन पर अनेक महिलाओं को देवी का सवार भी आया। दुर्गा माता के विसर्जन के दौरान नगर के विभिन्न समितियों द्वारा अनेक स्थानों एवं विसर्जन स्थल में नाश्ता पानी प्रसादी भोग की व्यवस्था की गयी थी। नवरात्रि पर्व में माता को नौ दिनों तक उपासना करने के बाद आज डीजे, धुमाल, जसगीत ,एवं झांकी निकाल कर माताराणी को नम आंखों से विदाई दी गयी। इस दौरान जय स्तंभ चौक तिगड्डा चौक से शिवनाथ नदी तक दो किलोमीटर तक हजारों की संख्या में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ लगी रही।

आंदोलन व अपराध करने में अंतर होता है

लोकतंत्र में जब कहा जाता है कि आंदोलन करना लोगों का अधिकार है तो कुछ लोगों को यह लगता है कि आंदोलन करने के नाम पर वह कुछ भी कर सकते हैं,करवा सकते हैं। आंदोलन करने के अधिकार को वह अपराध करने का अधिकार समझ लेते हैं और आंदोलन करने के नाम पर अपराध करते भी है और अदालत से उम्मीद करते हैं कि वह उनके आंदोलन करने को दौरान जो कुछ भी किया गया है, उसे आंदोलन ही माने, उसे पुलिस की तरह अपराध न माने। वह मानते हैं कि पुलिस ने उनको पकड़कर गलती की है,पुलिस ने उनके साथ ज्यादती की है, वह कह रहे हैं तो अदालत भी माने कि उनके साथ ज्यादती हुई है और इसीलिए उनको आंदोलनकारी मानकर छोड़ दिया जाए, उनके खिलाफ दर्ज मामले को वापस लिया जाए और पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जो भी आंदोलन करता है, वह खुद को पाकसाफ व पुलिस को ज्यादती करने वाला बताता है।ऐसे में अदालत को आंदोलन करने वालों को यह एहसास कराना जरूरी होता है कि पुलिस ने अपराध दर्ज किया है तो इसलिए कि आपने आंदोलन के नाम पर अपराध किया गया है।

यही वजह है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने जंतर.मंतर पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने और बैरिकेड तोड़ने के मामले में कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत पर सुनवाई के दौरान सौरव दास व आशुतोष रंका को एहसास दिलाने का प्रयास किया कि आपने कुछ तो गलत किया है, इसलिए पुलिस ने आपको पकड़ा है और अदालत ने आपको न्यायिक हिरासत में भेजा है।आपको कानून का पालन करना चाहिए था, आपने नहीं किया। इन नेताओं पर जंतर.मंतर पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराने की कोशिश करने का आरोप है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि विरोध प्रदर्शनों के लिए पुलिस की अनुमति लेने का मकसद सिर्फ प्रदर्शनकारियों पर पाबंदी लगाना ही नहीं होता है।यही वजह है कि अदालत ने यह सवाल भी किया कि जब जंतर.मंतर को विरोध.प्रदर्शन स्थल के रूप में डिनोटिफाइड कर दिया तो आप गए क्यों। कोर्ट ने दोनों के जरिए देश के युवाओं व आंदोलन करने वालों को यह संदेश दिया है कि पुलिस जब कहीं पर बेरीकेड लगाती है तो बैरिकेड्स किसी खास मकसद से लगाए जाते हैं। जब आंदोलन करने वाले बैरिकेड तोड़ते हैं तो होता क्या है,जहां जाने से लोगों को रोका जाता है तो वहां लोगों के आने का रास्ता खुल जाता है और वहां और लोगों के आने की संभावना बन जाती है, ऐसे लोग जिन पर आंदोलनकारियों का नियंत्रण नहीं होता है। फ्रांस में छात्रों के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए हाई कोर्ट ने कहा हम अपने देश के बाहर भी ऐसा ही कुछ देख रहे हैं। जो एक छात्र विरोध के रूप में शुरू हुआ था वह अब आगजनी और लूटपाट में बदल गया है इसीलिए आंदोलन के पहले पुलिस की अनुमति की जरूरत होती है। इसका मकसद किसी को आंदोलन करने से रोकना नहीं होता है, आंदोलन के दौरान दूसरे लोगों को कोई परेशानी न हो, ऐसी व्यवस्था आंदोलन के पहले करना होता है। आंदोलन के दौरान कई लोग अपराध भी कर सकते हैं, पुलिस व्यवस्था आंदोलन के दौरान कोई अपराध न हो ऐसी व्यवस्था करती है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी साफ कर दिया कि जेन जी के नाम पर नेपाल,बांग्लादेश,श्रीलंका में जो कुछ हुआ वह गलत था फ्रांस में जो कुछ हो रहा है वह भी गलत है इसलिए देश में भी जेन जी के नाम पर कुछ भी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। आंदोलन के अधिकार के नाम पर कहीं भी,कुछ भी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।सुप्रीम कोर्ट ने संसद मार्च के दौरान छात्रों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने को कहा था और मामले सरकार ने वापस भी लिए थे तो देश में कुछ लोगों को लगा कि देश में छात्रों के नाम पर जेन जी के नाम कुछ भी किया जाएगा तो कोर्ट उनके साथ नरमी से पेश आएगी।अदालत ने साफ कर दिया है कि जेन जी के नाम पर देश में कुछ भी न किया जाए,कुछ किया जाएगा तो उसके साथ हमेशा नरमी से पेश नहीं आया जाएगा। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आंदोलन को आंदोलन की तरह किया जाए, आंदोलन के नाम पर अपराध किया जाएगा तो उसे अपराध की तरह लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर मंतर का आंदोलन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के कारण सफल हो गया तो कॉकरोच के नेताओं को वहम हो गया था वह इस देश में बड़ी राजनीतिक ताकत हो गए हैं, वह जो चाहेंगे वह हो जाएगा। वह जहां चाहेंगे धरना प्रदर्शन करेंगे, उनको कोई रोक नहीं सकता। वह बिना अनुमति जंतर मंतर पर कई दिनों तक प्रदर्शन कर सकते हैं तो वह जंतर मंतर पर तिरंगा भी फहरा सकते हैं।वह भूल गए कि जब वह बिना अनुमति जंतर मंतर पर धरना दे रहे थे तो जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया जा सकता था और जब वह तिरंगा फहराने गए तो जंतर मंतर पर प्रदर्शन पर रोक लग गई थी यानी अब जंतर मंतर में प्रदर्शन के लिए जाना अपराध हो गया था और सीजेपी के नेताओं ने जंतर मंतर में बिना अनुमति घुसकर अपराध किया तो पुलिस ने तो उनको पकड़कर एहसास दिलाया है कि आपने अपराध किया है, हाईकोर्ट ने एहसास दिला दिया है कि आंदोलन व अपराध में अंतर होता है, इस अंतर को सीजेपी के नेताओं सहित सभी दलों के नेता याद रखें।

राशिफल

मेष आज किस्मत आपके लिए कामयाबी के नए दरवाजे खोलने को तैयार नजर आ रही है! आपकी मेहनत, सूझबूझ और काम करने का अंदाज लोगों के बीच आपकी अलग पहचान बना सकता है। आर्थिक मामलों में कोई बड़ा फैसला लेने का विचार मन में आएगा, जो भविष्य में लाभ की नींव रख सकता है।

वृषभ आज जिम्मेदारियों को निभाते-निभाते आप सफलता की एक नई कहानी लिख सकते हैं! परिवार के साथ बिताया गया समय मन को सुकून देगा और लंबे समय से बनी किसी चिंता से राहत मिलने के संकेत हैं। आपका मूड खुशनुमा रहेगा और छोटी-छोटी खुशियां भी दिन को खास बना देंगी।

मिथुन आज बड़ों का आशीर्वाद आपके आत्मविश्वास को नई ताकत दे सकता है और सही फैसले लेने में आपकी मदद कर सकता है! परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह किसी उलझन को सुलझाने का रास्ता दिखा सकती है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू पर विचार करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कर्क आज आपके लिए सफलता का मंत्र है, कमाई और खर्च के बीच सही संतुलन बनाए रखना! आर्थिक मामलों में समझदारी से काम लेंगे, तो अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ भविष्य के लिए भी बेहतर योजना बना पाएंगे। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम गति पकड़ सकता है और आपका कोई पुराना सपना पूरा होने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

सिंह आज आपको यह साबित करने का मौका मिल सकता है कि मुश्किल परिस्थितियों में भी आपका आत्मविश्वास डगमगाता नहीं है! कुछ लोग आपके काम में रुकावटें पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप अपना रास्ता निकाल लेंगे।

कन्या आज मेहनत का पहिया तेजी से घूम सकता है और आपकी लगन आपको सफलता के करीब ले जा सकती है! कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ने से व्यस्तता रहेगी, लेकिन अपनी योजना के अनुसार काम करेंगे, तो अच्छे परिणाम हासिल कर सकते हैं।

तुला आज आपके सामने कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं, बशर्ते आप बेवजह के विवादों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें! आपकी सूझबूझ आपको सही अवसर पहचानने और उनका लाभ उठाने में मदद कर सकती है। परिवार में लंबे समय से चली आ रही किसी गलतफहमी का अंत हो सकता है, जिससे रिश्तों में फिर से अपनापन लौटेगा।

वृश्चिक आज आर्थिक मामलों में राहत और तरक्की के संकेत आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं! पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत महसूस हो सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा या आध्यात्मिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। इससे अपनों के साथ समय बिताने और मन को शांति देने का अवसर मिलेगा।

धनु आज कुछ परिस्थितियां आपकी परीक्षा ले सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप उनके बीच भी अपना रास्ता खोज लेंगे! कामकाज से जुड़े किसी फैसले को लेकर मन में असमंजस रह सकता है। ऐसे में जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय जरूरी जानकारी जुटाएं और हर विकल्प पर विचार करें।

मकर आज आपके लिए तरक्की के अवसर दस्तक दे सकते हैं और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की उम्मीद बढ़ सकती है! साझेदारी में किए गए काम बेहतर नतीजे दे सकते हैं, जबकि नौकरीपेशा लोगों की ईमानदारी और लगन वरिष्ठ अधिकारियों का विश्वास जीत सकती है।

कुंभ आज अपनी सेहत को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि सफलता का आनंद तभी है जब आप स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करें! कामकाज में जल्दबाजी करने से बचें। कोई छोटी-सी चूक भी आपके काम को प्रभावित कर सकती है, इसलिए हर जिम्मेदारी को ध्यान से पूरा करें। अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए आप कुछ नए कदम उठाने का विचार कर सकते हैं।

मीन आज पैसों के मामले में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी आपको बड़ी परेशानी से बचा सकती है! किसी बड़े निवेश या जोखिम भरे फैसले को फिलहाल टालना बेहतर हो सकता है, खासकर तब जब उसके सभी पहलुओं की जानकारी आपके पास न हो। शेयर बाजार या अन्य निवेश से जुड़े मामलों में अनुभवी विशेषज्ञ की सलाह लेकर ही आगे बढ़ें।

24 अक्टूबर संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस पर विशेष आलेख

संयुक्त राष्ट्र संघ: भूमिका एवं वर्तमान प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला

शांति, सुरक्षा और मानवता की रक्षा बहुत ही जरूरी है और द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका ने विश्व समुदाय को यह एहसास कराया कि इन सबकी रक्षा के लिए विश्वे में एक प्रभावी, मजबूत एवं निष्पषक्ष अंतरराष्ट्रीय संगठन का होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। पाठकों को बताता चलूं कि वर्तमान में इस संगठन के 193 सदस्य देश हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यू0एन0ए0(संयुक्त राष्ट्र संघ) केवल राष्ट्रों का ही संगठन नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति, बहुपक्षवाद, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझा मानव भविष्य की सामूहिक आकांक्षा का प्रतीक है। आज जब पूरा विश्व युद्ध, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, जलवायु संकट, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और विभिन्नस तकनीकी एवं अन्यआ चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और प्रासंगिकता पर विचार करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की मुख्यर भूमिका-- इस संगठन की भूमिका के बारे में यदि हम यहां पर चर्चा करें तो इसका काम विश्व के विभिन्नि देशों के बीच आपसी सहयोग और मित्रता को बढ़ावा देना है। पाठक जानते होंगे कि यह संगठन अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने या यूं कहें कि देशों के बीच विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीतिक संवाद, शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम करने, युद्धों को रोकने, मानवाधिकारों की रक्षा करने(मानव गरिमा, स्वतंत्रता, समानता तथा भेदभावरहित समाज की स्थापना को प्रोत्साहन) तथा गरीब और जरूरतमंद देशों की सहायता करने में (गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और असमानता को कम करने में सहयोग) या यूं कहें कि वैश्विक सामाजिक-आर्थिक विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इतना ही नहीं यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी कार्य करता है। इसके अलावा, यह प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय संकटों(जैसे कि युद्ध, विस्थापन, महामारी और प्राकृतिक आपदाओं) के समय प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय कानून का विकास करने में भी इस संगठन की भूमिका बहुत ही महत्तसवपूर्ण है। दरअसल, यह संगठन राष्ट्रों के बीच नियम-आधारित व्यवस्था, संधियों और कानूनी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्तध, जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता बचाने और सतत विकास को बढ़ावा देने या यूं कहें कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी इस संगठन की भूमिका बहुत विशेष है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ही नहीं, विभिन्नि वैश्विक समस्याओं जैसे कि स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी चुनौतियों पर सामूहिक कार्रवाई के लिए भी यह संगठन मंच उपलब्ध कराता है। कुल मिलाकर, यह बात की जा सकती है कि, संयुक्त राष्ट्र विश्व में शांति, सुरक्षा, समानता और सहयोग स्थापित करने का प्रयास करता है।

वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता-आज संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता केवल उसके उद्देश्यों से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित होती है कि वह बदलती विश्व व्यवस्था की चुनौतियों का समाधान कितनी प्रभावशीलता से कर पाता है। जैसा कि इस आलेख में पूर्व में भी चर्चा कर चुका हूं कि यहे संगठन वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए काम करता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय संकटों के बीच संयुक्त राष्ट्र कूटनीतिक संवाद, मानवीय सहायता तथा शांति स्थापना के लिए एक महत्त्वपूर्ण मंच है। हालाँकि, यह बात अलग है कि सुरक्षा परिषद में महाशक्तियों के मतभेद इसकी प्रभावशीलता को सीमित करते हैं। बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन भी इस संगठन का प्रमुख कार्य है। आज विश्वक में विकासशील देशों की संख्यास बढी है एवं विश्व में अनेक शक्तियां उभरकर सामने आ रहीं हैं, ऐसे समय में इस संगठन ने सभी देशों को संवाद का अवसर देकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सामूहिक निर्णय-प्रक्रिया को मजबूत करने का काम किया है।सतत विकास एवं सामाजिक न्याय की दिशा में इस संगठन की भूमिका की बात करें तो इसके सतत विकास लक्ष्य गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए साझा वैश्विक दिशा प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं, आज के समय में, जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के अस्तित्व से जुड़ी चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ताओं और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से देशों को साझा जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। मानवाधिकार एवं मानवीय गरिमा के क्रम में शरणार्थियों, महिलाओं, बच्चों, अल्पसंख्यकों तथा संघर्ष प्रभावित नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएँ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और यह बात किसी से छिपी नहीं है। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ), साइबर अपराध, डिजिटल असमानता और महामारी जैसी सीमापार चुनौतियों के क्रम में बहुपक्षीय विमर्श को लगातार प्रोत्साहित करता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष मौजूद चुनौतियाँ-

कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में यह संगठन कई अभूतपूर्व और जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। आज तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था, महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता और नए प्रकार के संकटों ने इसके कामकाज और प्रासंगिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा परिषद में प्रमुख शक्तियों द्वारा वीटो पावर के दुरुपयोग और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण यह वैश्विक संघर्षों में त्वरित निर्णय लेने में अक्सर विफल रहता है।सरल शब्दों में कहें तो पाँच स्थायी सदस्यों की विशेष शक्ति सुरक्षा परिषद में सामूहिक कार्रवाई को बाधित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, 1945 के पुराने ढांचे में वर्तमान विश्व व्यवस्था के अनुसार उचित प्रतिनिधित्व का अभाव है, जिसके ढांचागत सुधार की मांग लगातार हो रही है। यह संस्था गहरे वित्तीय संकट, संसाधनों की कमी, जटिल नौकरशाही(प्रशासनिक जटिलताएँ) और सदस्य देशों द्वारा राष्ट्रीय संप्रभुता के नाम पर मानवीय हस्तक्षेप के विरोध जैसी समस्याओं से भी जूझ रही है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन, साइबर खतरे, आतंकवाद और वैश्विक महामारियों जैसी 21वीं सदी की नई बहुआयामी समस्याओं पर सभी 193 सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाना इसके लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वास्तेव में, निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति और सहयोग आवश्यक है। इन चुनौतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की दिशा में अंतर-सरकारी वार्ताएँ जारी हैं। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2026 में भी सुरक्षा परिषद की अधिक प्रतिनिधिपूर्ण और प्रभावी संरचना के लिए सुधार पर चर्चा जारी है।

आगे की राह: संयुक्त राष्ट्र को अधिक प्रभावी कैसे बनाया जाए ?-वास्तीव में, आज सुरक्षा परिषद का विस्तार कर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ाये जाने की आवश्य कता है। सच तो यह है कि पांच बड़े देशों (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस) को मिले 'वीटो' (विशेषाधिकार) या यूं कहें कि किसी भी फैसले को अकेले रोक देने का विशेष अधिकार को सीमित करना होगा। कम से कम युद्ध, आतंकवाद या बड़े मानवाधिकार हनन के मामलों में किसी एक देश को फैसला रोकने का अधिकार नहीं होना चाहिए। वीटो शक्ति के दुरुपयोग को सीमित करने के उपाय विकसित किए जाने की भी आवश्यशकता महत्तीक है। आज भी सुरक्षा परिषद में 1945 के समय के कुछ गिने-चुने ताकतवर देशों का ही दबदबा है। इसे सही मायनों में दुनिया का प्रतिनिधि बनाने के लिए भारत और अफ्रीकी महाद्वीप जैसे नए सदस्यों को भी स्थायी जगह मिलनी चाहिए। वास्तीव में, ताकतवर देशों के 'वीटो पावर' (किसी भी फैसले को अकेले रोक देने का विशेष अधिकार) पर लगाम लगनी चाहिए, जिसके कारण अक्सर दुनिया की भलाई के अहम फैसले अटक जाते हैं। इसके अतिरिक्तस, आज शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम के लिए कूटनीतिक तंत्र को मजबूत करने, विकासशील देशों को वैश्विक आर्थिक एवं तकनीकी निर्णयों में अधिक भागीदारी दिये जाने, वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत दक्षता में सुधार किये जाने के साथ ही साथ मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुपालन में दोहरे मानदंडों से भी बचने की आवश्याकता है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र जो भी नियम बनाए या इसकी अंतरराष्ट्रीय अदालत जो भी फैसला दे, उसे सभी देशों से सख्ती से मनवाने का कोई ठोस तरीका होना चाहिए, ताकि इसके फैसले सिर्फ कागजी सलाह बनकर न रह जाएं। अभी यह संगठन अपने फंड के लिए कुछ अमीर देशों पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जिसका फायदा उठाकर वे देश इसकी नीतियों पर दबाव डालते हैं। अगर सभी देश अपना हिस्सा समय पर दें, तो यह बिना किसी दबाव के काम कर सकेगा। इसके अलावा, इसके कार्यालयीन कामकाज को और अधिक तेज व त्व रित करने की सख्त जरूरत है ताकि किसी आपदा, अकाल या युद्ध के समय प्रभावित लोगों तक तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। इसकी पीसकीपिंग फोर्स(शांति बनाए रखने वाली सेनाओं) को भी आज की आधुनिक तकनीक से लैस करने की जरूरत है, ताकि वे केवल मूक दर्शक न रहें और आतंकवाद या आधुनिक युद्धों का डटकर सामना कर सकें। आज दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन, जल संकट, साइबर खतरे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) जैसी बिल्कुल नई चुनौतियां हैं। संयुक्त राष्ट्र को इन मुद्दों पर सिर्फ बैठकें करने या लक्ष्य तय करने के बजाय सख्त अंतरराष्ट्रीय नियम बनाने होंगे, जिन्हें तोड़ने वाले देशों पर कार्रवाई हो सके। हालांकि, यह सब तभी मुमकिन है जब दुनिया के शक्तिशाली देश अपने निजी स्वार्थों को छोड़कर, पूरी दुनिया के भले के लिए एक साथ मिलकर ईमानदारी से काम करने की इच्छाशक्ति दिखाएं। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व समुदाय को संवाद, सहयोग, मानवीय सहायता और साझा नियमों के लिए एक सार्वभौमिक मंच प्रदान किया है। आज बदलती विश्व व्यवस्था में इसे अधिक प्रभावी, लोकतांत्रिक और उत्तरदायी बनाये जाने की आवश्य कता है। वास्तकव में, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वैश्विक समस्याओं का समाधान अलगाव और शक्ति-प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग

भारत की कृषि गाथा का नया रुप: परिवर्तन का एक दशाक

श्री शिवराज सिंह चौहान

जब माननीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में पदभार संभाला, तब कृषि और किसान कल्याण को भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया। वर्ष 2015 से यह प्रतिबद्धता उत्पादन और कृषि आय में सुधार से आगे बढ़कर कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक, सुदृढ़, प्रौद्योगिकी-आधारित और टिकाऊ बनाने के व्यापक परिवर्तन में परिलक्षित हुई है। प्रधानमंत्री ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि "विकसित भारत के लिए भारतीय कृषि का भी विकास होना चाहिए।" उन्होंने यह भी आह्वान किया है कि भारत केवल अपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरे। लाल बहादुर शास्त्री के "जय जवान, जय किसान" और अटल बिहारी वाजपेयी के "जय विज्ञान" के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने देश को "जय अनुसंधान" का मंत्र दिया। इस मंत्र के माध्यम से उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को भारत की कृषि के भविष्य के केंद्र में स्थापित किया। ये शब्द केवल नीतिगत दिशा का वक्तव्य नहीं थे, बल्कि एक व्यावहारिक दृष्टि के परिचायक थे, जिसकी दूरदर्शिता और विवेक की पुष्टि एक दशक बाद सामने आए साक्ष्यों से स्पष्ट रूप से हुई।

खाद्य सुरक्षा से कृषि के नए प्रतिमान तक-यह विजन भारतीय कृषि को देखने के हमारे दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। हरित क्रांति ने भारत को खाद्य सुरक्षा प्रदान की। आज हमारी जिम्मेदारी पोषण सुरक्षा, किसानों की समृद्धि, संसाधन सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की मजबूत नींव तैयार करना है। भारत की कृषि यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरी रही है। कभी खाद्य आयात पर निर्भर रहने वाला भारत कुछ ही दशकों में प्रमुख अनाजों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया। हरित क्रांति को विज्ञान, उन्नत बीजों, सिंचाई, बुनियादी ढांचे, संस्थागत ऋण, कृषि विस्तार सेवाओं और नीतिगत सहायता से गति मिली। इससे यह सिद्ध हुआ कि जब वैज्ञानिक क्षमता और राजनीतिक प्रतिबद्धता किसी राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आती हैं, तो क्या कुछ अर्जित किया जा सकता है। लेकिन कृषि को अतीत की प्राथमिकताओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आकांक्षाएं बदल गई हैं, नागरिकों के उपभोग के तौर-तरीके बदल गए हैं, बाजार बदल गए हैं और जलवायु भी बदल रही है।

व्यापक आधार पर कृषि विकास का एक दशक-इसलिए वर्ष 2015 से जारी परिवर्तन महत्वपूर्ण है। वर्ष 1995-96 और 2014-15 को संरचनात्मक बदलाव के महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया है, क्योंकि ये भारतीय कृषि के विकास के अलग-अलग चरणों को दर्शाते हैं। पहला चरण आर्थिक उदारीकरण के क्रमिक प्रभाव, बाजारों के साथ बढ़ते एकीकरण, बदलते उपभोग पैटर्न और अनाज उत्पादकता वृद्धि की धीमी गति को दर्शाता है। दूसरा चरण सिंचाई के विस्तार, डिजिटल प्लेटफॉर्म, बाजार सुधारों तथा स्थिरता और जलवायु अनुकूलन पर बढ़ते ध्यान से प्रेरित अधिक विविधीकृत, प्रौद्योगिकी-सक्षम और सुदृढ़ कृषि प्रणाली के उभार का संकेत देता है। कृषि विकास की औसत दर 1967-1995 के दौरान लगभग 2.7 प्रतिशत और 1996-2014 के दौरान लगभग 3.0 प्रतिशत थी। यह 2015-2025 के दौरान बढ़कर लगभग 4.5 प्रतिशत हो गई (खाद्यान्न उत्पादन में 8.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष, फल एवं सब्जियों में 7.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष तथा दूध में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पिछले दो वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रति वर्ष 22.1 मिलियन टन रही और पिछले वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। यह उपलब्धि केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, कार्यक्रमों के प्रभावी संयोजन, जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण, लक्षित निवेश और किसानों को बढ़े हुए समर्थन के संयुक्त प्रभाव को दर्शाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि अब व्यापक आधार पर हो रही है और इसे केवल अनाज ही नहीं, बल्कि बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन तथा अन्य उच्च-मूल्य वाले कार्यकलापों से भी बल मिल रहा है। यही कृषि भारत के विकास के अगले चरण को गति देगी।

हमारा उद्देश्य अब केवल अधिक उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें कम संसाधनों—कम पानी, कम भूमि, कम ऊर्जा और अनावश्यक कृषि आदानों के कम उपयोग—के साथ अधिक उत्पादन करना होगा, साथ ही बेहतर गुणवत्ता वाला, सुरक्षित और अधिक पौष्टिक खाद्य तैयार करना होगा। भारत में उपभोग के बदलते स्वरूप से भी इसका स्पष्ट संकेत मिलता है। ग्रामीण भारत में 1972-73 में खाद्य व्यय का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा अनाज पर खर्च होता था; 2022-23 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गया। इसी अवधि में दूध और दुग्ध उत्पादों, फलों, सब्जियों, अंडों, मांस और मछली का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर करीब 48 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में भी उपभोग का रुझान इसी तरह बदला है। हमारी कृषि को इस नए भारत की आवश्यकताओ के अनुरूप ढलना होगा। इसका अर्थ है दलहनों तिलहनों, फलों, सब्जियों, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन और अन्य उच्च-मूल्य वाली कृषि उपज पर अधिक ध्यान देना। इसका अर्थ खाद्य सुरक्षा की सीमित अवधारणा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा की दिशा में बढ़ना भी है। किसानों को उन मूल्य शृंखलाओं से जोड़ना आवश्यक है, जहां वास्तविक आर्थिक अवसर तेजी से ग्रेडिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात में केंद्रित हो रहे हैं।

किसान-केंद्रित विकास की व्यवस्था तैयार करना

भारत सरकार ने इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जल के कुशल उपयोग को बढ़ावा दे रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पहल ने मिट्टी की जांच और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को कृषि संबंधी निर्णयों के केंद्र में रखा है। पीएम-कुसुम कृषि को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ रही है। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) सामूहिक उपज-संग्रह और सौदेबाजी की क्षमता को सुदृढ़ कर रहे हैं। ई-नाम कृषि बाजारों को डिजिटल रूप से जोड़ रहा है, जबकि कृषि अवसंरचना कोष, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना और पीएमएफएमई फसल कटाई के बाद की अवसंरचना और प्रसंस्करण को मजबूत कर रहे हैं। अब इन पहलों को बीज से मिट्टी तक, खेत से बाजार तक और प्रयोगशाला से आजीविका तक एकीकृत किसान-केंद्रित मूल्य शृंखला में समाहित करना होगा। इस परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका केंद्रीय होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान अब केवल उपज बढ़ाने के पारंपरिक उद्देश्य तक सीमित नहीं है। वर्ष 2014 से 2025 के बीच फसलों की 3,236 किस्मंन जारी की गईं, जबकि 2003 से 2014 के दौरान यह संख्या 1,540 थी। हाल के वर्षों में जारी की गई किस्मों के बड़े हिस्से को जलवायु के प्रति अधिक सहिष्णु बनाने पर ध्यान दिया गया है और जैव-सुदृढ़ीकरण पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है। इसलिए अगली कृषि क्रांति उत्कृष्टता, लचीलेपन और ज्ञान की क्रांति होनी चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल परामर्श प्रणालियां और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां किसानों को बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्वों, कीटों, मौसम और बाजारों के बारे में बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं। डिजिटल कृषि पहल, एग्रीस्टैक और एआई-सक्षम परामर्श मंच कृषि सेवाओं को अधिक लक्षित और सुलभ बना सकते हैं। हालांकि, प्रौद्योगिकी तभी परिणाम देगी, जब वह किसान तक सरल, किफायती और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप पहुंचेगी।

प्रयोगशाला से अंतिम मील तक-अनुसंधान और कृषि विस्तार की भूमिका इसलिए और भी महत्वपूर्ण हो गई है। कृषि अनुसंधान में निवेश किया गया प्रत्येक रुपया पर्याप्त आर्थिक लाभ उत्पन्न करता है, जबकि कृषि विस्तार वैज्ञानिक ज्ञान को खेतों में व्यावहारिक सुधारों में बदलता है। हमें अपनी प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, स्टार्टअप, निजी नवप्रवर्तकों और किसानों के बीच संबंध सुदृढ़ करने होंगे। इसके साथ ही हमें संसाधनों से जुड़ी चुनौती का भी सामना करना होगा। भारत जल, उर्वरक, ऊर्जा और भूमि के उपयोग को लगातार बढ़ाकर कृषि उत्पादन का विस्तार नहीं कर सकता। भूजल का क्षरण, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट, जलवायु में अस्थिरता और चरम मौसमी घटनाएं एक नए उत्पादन प्रतिमान की मांग करती हैं। साक्ष्य दर्शाते हैं कि कृषि विकास के हाल के चरण में अधिक उत्पादकता के साथ अधिक स्थिरता भी आई है। इससे विविधीकरण, संसाधनों के कुशल उपयोग, जोखिम प्रबंधन और जलवायु-सहनशीलता का बढ़ता महत्व स्पष्ट होता है। इसीलिए स्थिरता कोई पर्यावरणीय विलासिता नहीं, बल्कि किसान की आर्थिक आवश्यकता है। हमारी नीतियों को पानी, पोषक तत्वों और ऊर्जा की प्रत्येक इकाई के कुशल उपयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। अनुसंधान में जलवायु-अनुकूल किस्मों, पानी और पोषक तत्वों का कुशल उपयोग करने वाली फसलों, मृदा जीवविज्ञान में सुधार, एकीकृत कीट प्रबंधन, संरक्षण कृषि और सटीक कृषि को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दलहनों और तिलहनों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि उनकी उत्पादकता बढ़ाना भारत की पोषण संबंधी और आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के लिए अनिवार्य है।

कुशल बाजार और वैश्विक मूल्य शृंखलाएं

पटवारियों की हड़ताल को कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन का समर्थन, मांगों पर विचार करने की अपील की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 23 अक्टूबर। जिले में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे पटवारियों को कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन का समर्थन मिला है। हड़ताल के दसवें दिन फेडरेशन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद जाकिर खान और जिला सचिव कैलाश रामटेके धरनास्थल पहुंचे और पटवारी संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

इस दौरान पटवारी संघ के प्रतिनिधियों, जिनमें महिला पटवारी भी शामिल थीं, ने अपनी विभिन्न मांगों और कार्यस्थल पर आने वाली कठिनाइयों से फेडरेशन के पदाधिकारियों को अवगत कराया। पटवारियों ने बताया कि लंबे समय से पदोन्नति नहीं मिलने, वेतन विसंगति दूर नहीं होने और पीवी एप में सुधार नहीं किए जाने जैसी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी लगभग 25 वर्षों से एक ही पद पर कार्य कर रहे हैं।

पटवारियों ने यह भी बताया कि बरसात के मौसम में भारी बारिश और सर्पदंश व बिच्छू जैसे खतरों के बीच भी वे शासन-प्रशासन द्वारा सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करते हैं। इसके बावजूद उनकी मांगों पर अपेक्षित प्रगति नहीं होने से उनमें असंतोष है।

मांगों के निराकरण के लिए फेडरेशन ने की पहल

फेडरेशन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद जाकिर खान और जिला सचिव कैलाश रामटेके ने शासन-प्रशासन से पटवारियों की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र निराकरण करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं होता है और कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी जारी रहती है, तो कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन प्रदेश स्तर पर धरना-प्रदर्शन करने पर विचार करेगा। ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाले हालात की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी, ऐसा फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा।

फेडरेशन ने उम्मीद जताई कि शासन-प्रशासन पटवारियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगा, जिससे हड़ताल समाप्त करने और राजस्व संबंधी कार्यों को सुचारु बनाने का रास्ता निकल सके।

विभागीय कार्रवाई को लेकर जताई चिंता

हड़ताल के दौरान कुछ पटवारियों के स्थानांतरण, कारण बताओ नोटिस और निलंबन की कार्रवाई का मुद्दा भी सामने आया। पटवारी संघ के प्रतिनिधियों ने इन कार्रवाइयों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। वहीं, कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान बातचीत और सकारात्मक पहल के माध्यम से किया जाना चाहिए, ताकि विवाद की स्थिति को टाला जा सके।

एक नजर

बस्तर की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए सम्मेलन आयोजित

जगदलपुर, 23 अक्टूबर। बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक रीति-रिवाजों और आस्था के संरक्षण के उद्देश्य से गुरुवार को बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच के नेतृत्व में पनारापारा स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में सांस्कृतिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें बस्तर दशहरा से जुड़े देवी देवताओं के पुजारी, मांझी,गायता, सिरहा गुनिया तथा विभिन्न समाजों के प्रमुखजनों ने भाग लिया।सम्मेलन में बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप, राजपरिवार के सदस्य कमलचंद्र भंजदेव, सर्व आदिवासी समाज के प्रांत उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजाराम तोड़ेम तथा दंतेवाड़ा के जिया पुजारी सहित अन्य प्रमुखजन उपस्थित थे। बस्तर के सभी 84 परगनों से जुड़े देवी देवताओं के पुजारियों और पारंपरिक व्यवस्था के प्रतिनिधियों की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने बस्तर दशहरा की विशिष्ट परंपराओं को पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित रखने और सहभागी समाजों के योगदान पर चर्चा की। बस्तर का 75 दिवसीय दशहरा पर्व अपनी अनूठी जनजातीय परंपराओं और सामूहिक सहभागिता के लिए प्रसिद्ध है। पाट जतरा से लेकर विभिन्न धार्मिक विधि विधानों और डोली विदाई तक, लकड़ी लाने, रथ निर्माण, जोगी बिठाई, श्रृंगार, रथ खींचने तथा अन्य पारंपरिक रस्मों में अनेक समाजों के सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इस सम्मेलन में इन परंपराओं के निर्वहन में जुटे लोगों के योगदान को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न अंग बताया गया।बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच की इस पहल का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक मान्यताओं एवं सामाजिक व्यवस्थाओं का संरक्षण करते हुए विभिन्न समाजों के बीच समन्वय और एकता को मजबूत करना था इस सम्मेलन के माध्यम से बस्तर की ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया गया। आयोजक मंच ने बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण बनाए रखने के लिए सामूहिक सहभागिता और निरंतर प्रयासों के महत्व को रेखांकित करने आयोजन किया गया ।

मांझी-चालकी की परंपरा का सम्मान हो, सदियों पुरानी विरासत में न हो राजनीतिक हस्तक्षेप

जगदलपुर, 23 अक्टूबर। रियासत कालीन बस्तर दशहरा की परंपराओं को लेकर मांझी-चालकी समाज में नाराजगी के बीच बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी एवं बस्तर धाकड़ क्षत्रिय राजपूत समाज के संरक्षक कुमार जयदेव ने रियासत कालीन बस्तर दशहरा की सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार मनाने और राजनीति से दूर रखने की अपील की है।कुमार जयदेव ने कहा कि बस्तर दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और सदियों पुरानी परंपरा का प्रतीक है। मांझी-चालकी वर्षों से इस परंपरा से जुड़े हुए हैं। ऐसे में उनकी आड़ में राजनीति करना और परंपराओं में बदलाव का प्रयास करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा की परंपराओं का संरक्षण होना चाहिए और इसे राजनीतिक हितों से दूर रखा जाना चाहिए।वहीं बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी ने भी बस्तर दशहरा को परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा की विशिष्टता उसकी परंपराओं और पारंपरिक व्यवस्थाओं में है। इसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।दरअसल, बस्तर दशहरा की परंपराओं और व्यवस्थाओं में बदलाव के प्रयासों को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोग राजनीतिक प्रभाव के जरिए परंपराओं में बदलाव करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे मांझी-चालकी नाराज बताए जा रहे हैं। ऐसे माहौल में दोनों की अपील को बस्तर दशहरा की पारंपरिक व्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

6 वन अपराध के मामलों में 8 लाख का सागौन जब्त

सुकमा , 23 अक्टूबर। जिले के वन संपदा की अवैध कटाई, संग्रहण और परिवहन के खिलाफ वन विभाग ने सुकमा वनमंडल में अक्टूबर महीने में अब तक 06 वन अपराध प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान लगभग 08 लाख रुपए कीमत की सागौन लकड़ी, फर्नीचर और अन्य लकड़ी सामग्री जब्त की गई है। अवैध परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे 02 ट्रैक्टर और 02 ऑटो रिक्शा भी जब्त किए गए हैं। खास बात यह है कि 21अक्टूबर की रात में एक ट्रैक्टर में रेत के नीचे लकड़ी छिपाकर ले जाने का मामला सामने आया। वन विभाग ने संबंधित मामलों में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है उपवनमंडलाधिकारी परख सारड़ा ने बताया कि उड़नदस्ता दल, सुकमा वन परिक्षेत्र कार्यालय और गोलापल्ली वन परिक्षेत्र के कर्मचारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। वन विभाग के अनुसार अब तक करीब 4.724 घनमीटर सागौन चिरान, सागौन से बने फर्नीचर और अन्य लकड़ी सामग्री जब्त की गई है। कार्रवाई के दौरान टूरकापारा (नीलावरम) निवासी मंगल राम मरकाम और कवासी हड़मा के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया।

सुदूर गांवों में पहुंची परिवहन विभाग की सुविधा,पामेड़ में ड्राइविंग लाइसेंस शिविर

पामेड़, एमपुर, धरमाराम और जीड़पल्ली के ग्रामीणों ने कराया पंजीयन, 25 अक्टूबर को फिर लगेगा शिविर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 23 अक्टूबर। सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को शासकीय सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीजापुर परिवहन विभाग (RTO) और थाना पामेड़ द्वारा संयुक्त रूप से ड्राइविंग लाइसेंस पंजीयन शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में पामेड़, एमपुर, धरमाराम और जीड़पल्ली के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस दौरान लाइट व्हीकल के लिए 24 तथा बाइक के लिए 2 आवेदन सहित कुल 26 लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पंजीयन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को परिवहन विभाग की सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना और लाइसेंस पंजीयन के लिए दूर जाने की परेशानी से राहत दिलाना है। बीजापुर पुलिस और परिवहन विभाग के आपसी समन्वय से आयोजित इस शिविर से दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों को सुविधा मिली।

परिवहन विभाग एवं थाना पामेड़ की ओर से 25 अक्टूबर 2026, रविवार को पामेड़ में पुनः शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव है, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

कोंडागांव जा रहा चावल से भरा ट्रक खेत में पलटा, दबकर चालक की हुई मौत

कोंडागांव, 23 अक्टूबर। जिले के केशकाल थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर खालेमुरवेंड के पास आज गुरुवार सुबह करीब 09 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। धान-चावल राशन से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में जा गिरा। हादसा इतना गंभीर था कि ट्रक चालक वाहन के भीतर ही दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक के अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिरने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि वाहन अनियंत्रित होने की वजह क्या थी, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक धमतरी से चावल लेकर कोंडागांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर खालेमुरवेंड के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख ।

एनएमडीसी में राजभाषा माह पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

हैदराबाद, 23 अक्टूबर। एनएमडीसी लिमिटेड, मुख्यालय, हैदराबाद में 14 सितंबर से 13 अक्तूबर, 2026 तक ÷राजभाषामाह समारोह, 2026 का आयोजन किया गया। आज दिनांक 22 अक्टूबर, 2026 को राजभाषा माहपुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। मारोह की अध्यक्षता श्री विनयकुमार, निदेशक (तकनीकी) ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री कृष्ण कुमार ठाकुर,निदेशक (कार्मिक) अनुराग कपिल, निदेशक (वित्त) नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारीतथा श्री संजीव साही, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) की गौरवमयी उपस्थिति रही।समारोह का प्रारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। तत्पश्चात मंचासीनअतिथियों को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। श्री चे. श्रीनिवास राव, उप महाप्रबंधक(राजभाषा) ने अध्यक्ष महोदय, विशिष्ट अतिथिगण, सभी उपस्थित विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ उअधिकारीगण, राजभाषा माह की प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थीगण एवं शिक्षकगण, अन्य संगठनोंके विजेता प्रतिभागीगण तथा सभी उपस्थित कार्मिकों का स्वागत किया तथा राजभाषा माह समारोहको सफल बनाने के लिए उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राजभाषा माह के दौरानआयोजित प्रतियोगिताओं एवं अन्य कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।इस अवसर पर श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) ने अपने संदेश में एनएमडीसी द्वारा राजभाषा क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए राजभाषा विभाग को बधाई दी तथा सभीउपस्थित कार्मिकों को अपने कार्यालयीन कार्यों को राजभाषा हिंदी में निष्पादित करने का अनुरोधकिया। एनएमडीसी द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए राजभाषाविभाग को बधाई दी तथा सभी उपस्थित कार्मिकों को अपने दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी काप्रयोग करने का आह्वान किया। कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक) ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए कहा कि हर्ष का विषय है कि एनएमडीसी लिमिटेड हिंदी के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने यह भी कहाकि अपने कार्यालयीन कार्यों एवं दैनिक जीवन में अपनी मातृभाषाओं एवं राजभाषा हिंदी को महत्वदेना चाहिए। श्री अनुराग कपिल, निदेशक (वित्त) और श्री नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी नेवित्तीय एवं सतर्कता मामलों में सरल हिंदी के प्रयोग पर विशेष ध्यान देने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने एआई और बढ़ती अनुवाद सुविधाओं का लाभ उठाते हुए कार्यालयीन कार्य में अधिक से अधिकहिंदी का उपयोग करने पर जोर दिया।तत्पश्चात राजभाषा माह समारोह, 2026 के आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एनएमडीसी कार्मिकों के लिए आयोजित हिंदी निबंध प्रतियोगिता, अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्न-मंच प्रतियोगिता, हिंदी अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता; अनुसंधान एवं विकास केंद्रके कार्मिकों के लिए आयोजित हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता; एनएमडीसी खनिज भवन के आसपास केकेंद्र एवं राज्य सरकार के कार्यालयों के कार्मिकों के लिए आयोजित हिंदी निबंध प्रतियोगिता; केंद्रीयविद्यालय, गच्ची बौली के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हिंदी निबंध एवं वाक् प्रतियोगिता; सरकारीविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हिंदी निबंध एवं वाक् प्रतियोगिता; मेहदीपट्टनम स्थित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी वाक् प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को मंचासीनअतिथियों के कर-कमलों से पुरस्कार वितरित किए गए।

---

100 किमी दूर जिला मुख्यालय, गांव में मोबाइल नेटवर्क तक नहीं; सड़क के अभाव में गर्भवती महिलाओं और मरीजों की बढ़ती मुश्किलें, ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

नक्सलमुक्ति के बाद भी विकास से दूर बोटेटोंग बिजली-पानी-सड़क के लिए तरस रहे ग्रामीण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 23 अक्टूबर। एक तरफ विकास की योजनाओं के जरिए गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के दावे किए जाते हैं, तो दूसरी तरफ बीजापुर जिले के बोटेटोंग गांव की तस्वीर कई सवाल खड़े करती है। उदतामड़ा पंचायत के अंतर्गत आने वाले इस गांव के ग्रामीण आज भी बिजली, पेयजल, सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सुविधाओं के इंतजार में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नक्सल प्रभाव कम होने के बाद भी उनके गांव की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर विकास की रोशनी बोटेटोंग तक कब पहुंचेगी?

सड़क नहीं, तो संकट में कैसे मिलेगी मदद

बोटेटोंग के ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में सड़क की सुविधा नहीं होने से आवागमन बेहद कठिन है। इसका खामियाजा खासकर गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भुगतना पड़ता है। आपात स्थिति में मरीज को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाना चुनौती बन सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क का अभाव केवल आवाजाही की समस्या नहीं, बल्कि समय पर इलाज पाने के रास्ते में भी बड़ी बाधा है।

पानी के लिए परेशानी, बिजली का भी इंतजार

ग्रामीणों ने गांव में पेयजल व्यवस्था की समस्या उठाते हुए बताया कि बोरवेल खराब होने से पानी की उपलब्धता प्रभावित होती है। बिजली और अन्य जरूरी सुविधाओं की कमी ने भी रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल बना दी है। ग्रामीणों के अनुसार, बुनियादी जरूरतों के लिए उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ जल आपूर्ति करने हेतु इस गांव का नाम भी पी एच ई विभाग के सूची में नहीं है।

शौचालयों की उपयोगिता पर भी सवाल

ग्रामीणों ने शौचालयों की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि कुछ शौचालयों में पानी निकासी के लिए टंकी, पाइपलाइन और टोटी जैसी जरूरी व्यवस्थाएं नहीं हैं, जबकि कुछ में सीट तक नहीं लगाई गई है। ऐसे में शौचालय निर्माण के साथ उनकी पूर्णता और नियमित उपयोग सुनिश्चित करने की जरूरत है।

नेटवर्क गायब, सरकारी सेवाओं तक पहुंच मुश्किल

गांव में मोबाइल नेटवर्क नहीं मिलने से ग्रामीणों को संचार और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लेने में भी परेशानी होती है। ग्रामीणों के मुताबिक, आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और आयुष्मान कार्ड जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने अथवा उनसे जुड़ी सेवाओं का लाभ लेने के लिए भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों ने बताया कि बोटेटोंग सुकमा जिले की सीमा के नजदीक स्थित है और उनके अनुसार, सुकमा जिले का एक सुरक्षा कैंप गांव से करीब पांच किलोमीटर दूर है। इसके बावजूद गांव में संचार सुविधा का अभाव उनके लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

शौचालय बना लेकिन न सीट लगी न पानी की व्यवस्था

बोटेटोंग में विकास के दावों की खुली पोल

नक्सलमुक्त क्षेत्र में विकास की आस

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में नक्सल प्रभाव कम होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि विकास कार्यों को गति मिलेगी और बुनियादी सुविधाएं गांव तक पहुंचेंगी। लेकिन बिजली, पानी, सड़क और नेटवर्क की समस्याएं अब भी उनके सामने हैं। ग्रामीण चाहते हैं कि प्रशासन गांव की वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए।

प्रशासन से सीधा सवाल—कब बदलेगी गांव की तस्वीर?

बोटेटोंग के ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन से बिजली, स्वच्छ पेयजल, सड़क और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही अधूरे अथवा अनुपयोगी शौचालयों की स्थिति सुधारने और पात्र ग्रामीणों को जरूरी शासकीय दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए शिविर लगाने की अपील की है।ग्रामीणों की मांग स्पष्ट है—उन्हें केवल विकास के आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर सुविधाएं चाहिए। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इन समस्याओं के समाधान के लिए कब ठोस पहल करते हैं और बोटेटोंग के लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए जारी संघर्ष से कब राहत मिलती है।

समाचार संक्षेप

मां दंतेश्वरी के दरबार से आत्मनिर्भरता की उड़ान, वृंदा समूह ने कमाए लाखों रुपये

दंतेवाड़ा, 23 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मां दंतेश्वरी की पावन नगरी दंतेवाड़ा में इस शारदीय नवरात्रि में आस्था के साथ महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली। जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित के अंतर्गत वृंदा महिला स्व-सहायता समूह की 10 दीदियों ने रागी के लड्डुओं को आजीविका का सशक्त माध्यम बना दिया है।जुलाई 2026 में शुरू हुई इस पहल ने महज 3 महीनों में नई कहानी लिख दी। जुलाई से सितंबर तक समूह ने लगभग 1.50 लाख रुपये की आमदनी अर्जित की, वहीं अक्टूबर में शारदीय नवरात्रि के दौरान अकेले लगभग 6.50 लाख रुपये की आमदनी हासिल कर अपनी मेहनत और हुनर का परिचय दिया।समूह की दीदियों ने स्थानीय पौष्टिक अनाज रागी से लड्डू निर्माण शुरू किया। उत्पाद की गुणवत्ता, स्वाद और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान दिया गया। धीरे-धीरे उत्पादों को पहचान मिलने लगी और दीदियों का आत्मविश्वास बढ़ता गया।शारदीय नवरात्रि में मां दंतेश्वरी के दर्शन को दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच रागी लड्डू की मांग ने इस पहल को नई गति दी। भक्तों को प्रसाद के रूप में पौष्टिक प्रसाद ले जाने का अवसर मिला, वहीं महिलाओं को बेहतर आमदनी का मौका मिला।

अब सिर्फ रागी लड्डू नहीं-वृंदा समूह अब रागी लड्डू के साथ-साथ महुआ लड्डू, महुआ कुकीज, रागी कुकीज और कोदो कुकीज का भी निर्माण कर रहा है। स्थानीय अनाज और वनोपज से तैयार इन उत्पादों से पारंपरिक संसाधनों को नए रूप में बाजार तक पहुंचाया जा रहा है।मां दंतेश्वरी के दरबार में श्रद्धालुओं तक पहुंच रहा यह प्रसाद अब महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन का प्रतीक बन गया है।जिला लघु वनोपज सहकारी संघ के अंतर्गत संचालित यह पहल स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, महिला समूहों को आजीविका से जोड़ने और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है।

मुरिया दरबार में आदिवासी जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा कर भाजपा का आयोजन बना दिया: उमाशंकर शुक्ला

जगदलपुर, 23 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त महासचिव उमाशंकर शुक्ला ने बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर प्रकाशित आमंत्रण पत्र को लेकर उन्होंने कहा कि आमंत्रण पत्र में संभाग के आदिवासी जनप्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों के नाम शामिल नहीं होने से उनकी भागीदारी को लेकर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बस्तर की आदिवासी परंपरा से जुड़े इतने बड़े आयोजन में स्थानीय प्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों को उचित स्थान मिलना चाहिए था, लेकिन बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार को भारतीय जनता पार्टी का आयोजन बना दिया गया। इतना ही नही बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक मुरिया दरबार के लिए जारी आमंत्रण पत्र संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी कर बस्तर दशहरा समिति को दरकिनार कर दिया गया

उमाशंकर शुक्ला ने कहा कि मुरिया दरबार बस्तर दशहरा की महत्वपूर्ण परंपरा है, जिसमें आदिवासी समाज की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान जुड़ी है। जिसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में बुलाकर भारतीय जनता पार्टी आदिवासी हितैशी होने का ढोंग करना चाहती है, लेकिन ऐसे आयोजन में स्थानीय आदिवासी जनप्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों को स्थान नही देने से बस्तर की जनता के समक्ष भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा का पूरा संचालन बस्तर दशहरा समिति के पदेन अध्यक्ष बस्तर सांसद के माध्यम से किया जा रहा है, तो मुरिया दरबार के लिए जारी आमंत्रण पत्र संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी करना बस्तर दशहरा समिति एवं बस्तर सांसद का अपमान है।

कांग्रेस ने वोट बचाओ-देश बचाओ बाइक रैली निकाली

कांकेर, 23 अक्टूबर। जिले के भानुप्रतापपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के द्वितीय चरण के तहत गुरुवार, 22 अक्टूबर को भानुप्रतापपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा एक बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस बाइक रैली का मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत बनाना, मताधिकार की रक्षा करना और भारतीय संविधान के प्रति आम जनता को जागरूक करना था।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, बाइक रैली सुबह 11 बजे बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल से शुरू हुई। विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए रैली एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां सभा आयोजित की गई। सभा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुनील बबला पाढ़ी ने संविधान के अनुच्छेद 326 का वाचन करते हुए वयस्क मताधिकार के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार की रक्षा और नागरिकों में जागरूकता जरूरी है। अभियान के माध्यम से संविधान के मूल्यों के सम्मान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का संदेश दिया गया।रैली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और युवा कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में विधायक सावित्री मनोज मंडावी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं प्रदेश प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह ठाकुर, राजकुमार ठाकुर, अमृत संचेती, मनीषनाथ योगी, मुकेश चंद्राकर, भगवान कुंजाम, नरेंद्र कुलदीप, बब्बू मरकाम, नितेश योगी, जयप्रकाश पदा, महेंद्र नायक, अमन मंडावी, पुरुषोत्तम

एक नजर

जिला पंचायत सीईओ ने स्वास्थ्य केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायगढ़, 23 अक्टूबर । शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने और आम नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचकर सुविधाओं का जायजा भी लिया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत पठारे ने शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बाघतालाब एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी), मोदीनगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाइयों, प्रयोगशाला जांच सेवाओं और साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री पठारे ने स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप मरीजों को सभी आवश्यक दवाइयां और लैब जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि मरीजों को समय पर जांच एवं उचित उपचार मिल सके। सीईओ श्री पठारे ने शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बाघतालाब को मॉडल यू-आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई, सुव्यवस्थित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैकरा, संबंधित प्रभारी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य केंद्रों के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर भठेली में जस गीत कार्यक्रम का आयोजन, मुख्य अतिथि रहे लेख राम

अंवरी,23 अक्टूबर। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में नगर भठेली स्थित दुर्गा मंच में भव्य जस गीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम बगदेही की जस गीत मंडली द्वारा भक्तिमय एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय श्री लेख राम साहू जी द्वारा किया गया। उन्होंने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी लोक परंपरा और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जस गीत जैसे पारंपरिक कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है। ग्राम बगदेही से पहुंची जस गीत मंडली ने देवी भक्ति से जुड़े विभिन्न जस गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। मंडली की प्रस्तुति पर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए और पूरा दुर्गा मंच भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के जयकारे लगाए। इस अवसर पर बस्ती पंचायत अध्यक्ष नेकराम बंधु, उपाध्यक्ष कुलेश्वर साहू, खुमान सिंह सोन, दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष विदेशी राम साहू, नितेश मानिकपुरी, देवेंद्र सेन, अश्वनी साहू सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।आयोजन को सफल बनाने में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति एवं क्षेत्र के नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समिति द्वारा सभी अतिथियों, कलाकारों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया।

सेमरा में मां शाकंभरी जस झांकी व जगराता रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

अंवरी, 23 अक्टूबर। शारदीय नवरात्र के समापन पर ग्राम सेमरा (बी) में आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। दस दिनों की स्तुति-आराधना के बाद जोत-जंवारा और मां दुर्गा की प्रतिमाओं का धूमधाम से विसर्जन किया गया। इस दौरान बालक दुर्गोत्सव समिति, बस स्टैंड चौक द्वारा आयोजित मां शाकंभरी जस झांकी एवं जगराता रोड शो आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। गायिका झरना साहू और युगल निषाद के भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे, वहीं कलाकारों के हैरतअंगेज करतबों और मनमोहक झांकियों को देखने हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। गांव के इतिहास में पहली बार हुए इस भव्य आयोजन को देखने के लिए लोग घरों की छतों तक पर चढ़ गए।

परंपरानुसार हुआ जोत-जंवारा विसर्जन- क्वांर नवरात्र के दौरान ग्राम सेमरा (बी) के आराध्य स्थल मां शीतला माता मंदिर में बोए गए जोत-जंवारा का अष्टमी पर हवन-पूजन किया गया। इसके बाद नवमी को विधि-विधान से विसर्जन संपन्न हुआ। जसगीत मंडलियों के साथ श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए नाचते-गाते विसर्जन स्थल पहुंचे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जोत-जंवारा के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया।

गांव की सड़कों पर निकला भव्य रोड शो- ग्राम के बस स्टैंड चौक में बालक दुर्गोत्सव समिति तथा रामसागर पारा में नवएकता दुर्गोत्सव समिति द्वारा स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का मंगलवार को विसर्जन किया गया। इस अवसर पर बालक दुर्गोत्सव समिति ने मां शाकंभरी जस झांकी एवं जगराता रोड शो का विशेष आयोजन किया।रोड शो दोपहर में बस स्टैंड चौक से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग, चांदापारा, कबीर चौक, चूलमाटी चौक, शीतला माता चौक, रामसागर पारा और ठाकुर देव चौक होते हुए मोतीनगर के रास्ते पावन खारुन नदी पहुंचा। यहां भक्तों ने नम आंखों से मां अम्बे को विदाई दी और प्रतिमा का विसर्जन किया।

स्टेडियम में मनाया विजयादशमी का पर्व,रिकार्ड भीड़ रही लोगों की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 23 अक्टूबर। लौह नगरी दल्ली राजहरा में विजयादशमी का पर्व इस वर्ष बेहद भव्यता और धूमधाम के साथ पं. जवाहरलाल नेहरू फुटबॉल स्टेडियम में मनाया गया। पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष दर्शकों की संख्या रिकॉर्ड तोड़ रही, वहीं अपने सामान की बिक्री करने आए दुकानदारों की संख्या भी दोगुनी हो गई। पूरे स्टेडियम में मेले जैसा माहौल था। आयोजक समिति द्वारा विद्युत व्यवस्था, साउंड सिस्टम और सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। उद्घोषक एवं कलाकार मार्तंड सिंह ने माता के गीतों से समां बांध दिया। इस आयोजन को अब तक का सर्वोत्तम आयोजन बताया जा रहा है।

मंच पर मौजूद रहे गणमान्य अतिथि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आनंद कुमार सिंह (मुख्य महाप्रबंधक दल्ली राजहरा) विशेष अतिथि देवलाल ठाकुर (भा.ज.पा. प्रदेश प्रवक्ता) बालमुकुंद सिंह (संरक्षक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं सचिव एथलेटिक्स संघ जिला बालोद अध्यक्षता तोरण लाल साहू(अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दल्ली अतिथिगण मनोज दुबे(उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद दल्ली) सुनील तिर्की (नगर पुलिस निरीक्षक राजहरा) समाज सेवी आशुतोष माथुर अतिथियों के ओजस्वी उद्बोधन राजहरा की एकता ने मुझे अभिभूत कर दिया - आनंद कुमार सिंहमुख्य महाप्रबंधक आनंद कुमार सिंह ने कहा कि मुझे भिलाई में रहते 30-40 वर्ष हो गए। वहाँ भी मैं गरबा और दशहरा उत्सवों में जाता हूँ, लेकिन जैसा समर्पण और दीवानगी मैंने राजहरा में देखी, वैसी भिलाई में भी नहीं देखी। गरबा में महिला, पुरुष और छोटे-छोटे बच्चों की दीवानगी देखकर मैं अभिभूत हूँ, इसके सामने तो गुजरात भी फेल है। पहलवान बालमुकुंद जी के सीने में कवि की मौजूदगी देखकर मैं हैरान हूँ। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष तोरण साहू ने जो विकास की अपेक्षाएं रखी हैं, वो उनकी मांग नहीं, बल्कि यह हमारा फर्ज है और हम इसे पूरी तरह निभाएंगे।

अहंकार हमेशा ऊंचा दिखता है: देवलाल ठाकुर

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि जब हम छोटे थे तो हमारे माता-पिता हमें दशहरा दिखाने लाते थे ताकि धर्म के प्रति आस्था बनी रहे। आप सभी अपने परिवार के साथ सनातन धर्म को जीवित रखने आए हैं, इसके लिए आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि किसी ने पूछा था रावण की मूर्ति इतनी ऊंची क्यों होती जा रही है? तो मित्रों, अहंकार हमेशा ऊंचा ही दिखता है, लेकिन उसका अंत निश्चित है। घर में अहंकार है तो घर टूटेगा, समाज में है तो समाज टूटेगा। इसी अहंकार से बचने के लिए हम यहाँ एकत्र हुए हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने महाकालेश्वर, काशी विश्वनाथ और अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण कर सनातन धर्म को गौरव दिलाया है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के साथ मिलकर केंद्रीय विद्यालय के लिए उनका प्रयास अतिशीघ्र सार्थक होने वाला है, पट्टा की मांग पूरी हो चुकी है और रावघाट रेलवे लाइन भी चालू हो गई है। राजहरा को बचाने के लिए सहयोग जरूरी - तोरण लाल साहूनगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने कहा कि त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की जीत दिलाई थी। उन्होंने मुख्य महाप्रबंधक से आग्रह किया कि टाउनशिप क्षेत्र में बचे हुए सड़कों का डामरीकरण जल्द कराया जाए। साथ ही वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 5 और 9 में 50-60 वर्षों से बसे खदान मजदूरों के लिए 400 एकड़ जमीन के सीमांकन में से बची हुई 130 एकड़ अनुपयोगी जमीन भी नगर पालिका को सौंप दी जाए, ताकि उन्हें शासन के नियमानुसार पट्टा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि एक समय राजहरा की आबादी डेढ़ लाख थी जो घटकर 45 हजार रह गई है, शहर को फिर से बसाने के लिए बीएसपी प्रबंधन के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि 5797 लोगों को पट्टा मिल चुका है और जल आवर्धन योजना से एक साल के अंदर सभी वार्डों में साफ पीने का पानी मिलेगा।

नारी शक्ति से बड़ी कोई शक्ति नहीं - बालमुकुंद सिंह

समिति के पूर्व अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह ने मंगलाचरण और ओजस्वी कविता से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी ही देश की जान है और नारी शक्ति से बढ़कर इस संसार में कोई शक्ति नहीं है। नारी का समर्पण, सौंदर्य, त्याग और विश्वास पाकर मनुष्य अक्षय शक्ति वाला बन जाता है।

साइबर ठगी से कैसे बचें - थाना प्रभारी सुनील तिर्की ने दी जानकारी

थाना प्रभारी सुनील तिर्की ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें, किसी को भी अपना OTP और बैंक डिटेल शेयर न करें। डिजिटल अरेस्ट कानून की किताब में नहीं होता। यदि ठगी हो जाए तो तुरंत देरी न करते हुए 1930 डायल कर सूचित करें, शासन आपकी रकम वापस कराने का पूरा प्रयास करेगी। अंत में मार्तंड सिंह ने मुख्य महाप्रबंधक से अनुरोध किया कि पहले बीएसपी प्रबंधन द्वारा राष्ट्रीय पर्व एवं विश्वकर्मा पूजा पर जो कार्यक्रम आयोजित होते थे, उन्हें फिर से चालू किया जाए। अतिथि उद्बोधन के पश्चात भगवान श्रीराम की सेना की पूजा-अर्चना कर रावण दहन किया गया।

सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति का गौरवशाली इतिहास

समिति सन् 1993 से लगातार जनता के सहयोग से कार्य कर रही है। समिति ने बंद होने जा रहे दशहरा उत्सव को पुनः जीवित कर उसे उच्च शिखर पर पहुंचाया। सन् 2000 में फुटबॉल मैदान में 36 फुट का रावण बनवाया। जनता से प्राप्त चंदे के बाद बची राशि को बैंक में जमा किया जाता था और वर्ष 2006 से चंदा लेना बंद कर बैंक के ब्याज से ही उत्सव मनाया जा रहा है।

समिति द्वारा कई वर्षों तक 6 नंबर विद्यालय के मंच पर रामलीला मंचन और रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रदर्शन भी कराया गया। समिति के बचे पैसों से ही मकराना संगमरमर से बनी हनुमान जी की मूर्ति, जो जयपुर से लाई गई, की स्थापना और मंदिर का निर्माण किया गया।

बाल संदर्भ शिविर में कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 अक्टूबर । धरमजयगढ़ विकासखंड के कापू बाल विकास परियोजना अंतर्गत जनजातीय बाहुल्य ग्राम गणपतपुर में बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 155 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयां दी गईं। साथ ही शिविर में माताओं को बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और उचित देखभाल के संबंध में जरूरी परामर्श दिया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चों की जांच कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया।

ऊंचाई और वजन मापकर दर्ज की गई जानकारी

शिविर में बच्चों की ऊंचाई और वजन मापकर उनकी जानकारी संदर्भ कार्ड में दर्ज की गई, ताकि उनके स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति पर नियमित रूप से नजर रखी जा सके। माताओं को बच्चों के खानपान, संतुलित पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी देते हुए उनकी उचित देखभाल के लिए जागरूक किया गया। शिविर के माध्यम से जिले के जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र के बच्चों को स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयां और पोषण संबंधी परामर्श की सुविधा उपलब्ध करायी गई। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरुण पांडेय, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन एवं डॉ. प्रदीप सहित डॉ. गजानन, डॉ. अंकित, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. भैना, डॉ. पूनम और डॉ. गीतांजलि उपस्थित रहे।

पचमढ़ी शिविर के लिए रवाना हुए सामारुमा के 6 विद्यार्थी

रायगढ़, 23 अक्टूबर । जिले के तमनार विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सामारुमा के छह विद्यार्थी भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा आयोजित पर्वतारोहण, व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर में शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश के पचमढ़ी रवाना हुए।जिला शिक्षा अधिकारी के दिशा-निर्देशन में विद्यालय के विद्यार्थियों को इस शिविर में भाग लेने का अवसर मिला है। शिविर में शामिल होने वाले विद्यार्थियों में आशा यादव, निकिता यादव, वर्षा एक्का, सुभाष यादव, निखिल यादव एवं कुणाल यादव शामिल हैं। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को पर्वतारोहण, व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इससे उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आपातकालीन परिस्थितियों का सामना करने के कौशल विकसित होंगे। स्कूल के प्राचार्य ने बताया कि विद्यार्थियों को इस तरह के शिविर में शामिल होने का अवसर मिलने से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

अंवरी में 15 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा मिनी माता चौक

अंवरी, 23 अक्टूबर। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व अंवरी में इस वर्ष भी हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। ग्राम के मिनी माता चौक में आयोजित दशहरा उत्सव में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुए युद्ध के सजीव मंचन, रावण वध और रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने उत्सव को यादगार बना दिया। वहीं, 15 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन देखने के लिए चौक में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

दशहरा उत्सव के दौरान रामलीला के कलाकारों ने भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुए युद्ध का जीवंत मंचन किया। जैसे-जैसे युद्ध अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचा, वैसे-वैसे दर्शकों का उत्साह भी बढ़ता गया। जैसे ही भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया, पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इसके बाद 15 फीट ऊंचे रावण के विशालकाय पुतले का दहन किया गया। पुतले में आग लगते ही उपस्थित लोगों ने उत्साह के साथ विजयादशमी का पर्व मनाया।रावण दहन के दौरान की गई आकर्षक आतिशबाजी से आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस भव्य आयोजन का आनंद लिया। विजयादशमी का पर्व हमें संदेश देता है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। अंवरी में आयोजित दशहरा उत्सव ने इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाया ।

खम्हार पाकुट जलाशय में मछलीपालन से समिति के सदस्यों को हुई 7.50 लाख रुपए की आमदनी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 अक्टूबर। ग्रामीण और आदिवासी परिवारों की आजीविका मजबूत करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में लैलूंगा विकासखंड के खम्हार पाकुट जलाशय में मछली पालन 52 आदिवासी मछुआ सदस्यों के लिए आय का बेहतर माध्यम बन रहा है। समिति ने 75 क्विंटल मछली का उत्पादन कर 10.50 लाख रुपए की आय अर्जित की, जिसमें से 7.50 लाख रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ।

191 हेक्टेयर से अधिक जलक्षेत्र में मछली पालन

खम्हार पाकुट सिंचाई जलाशय में मछली पालन के लिए समिति द्वारा योजनाबद्ध तरीके से गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। 191.340 हेक्टेयर औसत जलक्षेत्र वाले इस जलाशय को समिति ने 10 साल के पट्टे पर लेकर मछली पालन का काम किया है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और मत्स्य पालन विभाग के सहयोग से समिति को प्रशिक्षण और जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। जलाशय में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर सदस्य सामूहिक रूप से मछली उत्पादन और बिक्री का काम करते हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ समिति की आय में भी वृद्धि हो रही है।

दो लाख मछली बीज डाला था जलाशय में

समिति के सदस्यों ने बताया कि जलाशय में मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए करीब दो लाख मछली बीज (फिंगरलिंग) का संचयन किया गया था। इसके बाद समिति को 75 क्विंटल मछली का उत्पादन मिला। मछलियों के विक्रय से प्राप्त आय ने समिति को खर्चों के बाद 7.50 लाख रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित करने में मदद की।

प्रशिक्षण और उपकरणों से मिली मदद

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि मत्स्य पालन प्रसार योजना के तहत समिति के सदस्यों को मछली पालन संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, मछली पकड़ने के लिए जाल और मछलियों को सुरक्षित रखने के लिए आइस बॉक्स उपलब्ध कराए गए हैं। इन संसाधनों से मत्स्याखेट, मछलियों के रखरखाव और बिक्री के काम में सुविधा मिल रही है। इससे समिति के सदस्यों को मछली पालन की गतिविधियां बेहतर तरीके से संचालित करने में सहायता मिल रही है। खम्हार पाकुट की आदिवासी मछुआ सहकारी समिति के 52 सदस्य मछली पालन के माध्यम से आय अर्जित कर रहे हैं।

सरायपाली में अवैध क्लीनिक पर स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई

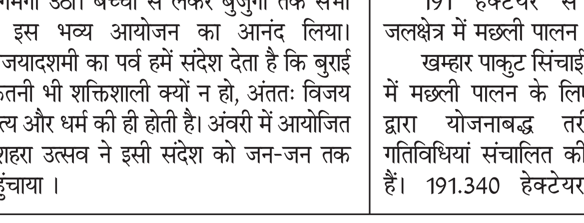

महासमुंद, 23 अक्टूबर । मुख्यमंत्री जनदर्शन पोर्टल पर प्राप्त शिकायत को संज्ञान में लेते हुए स्वास्थ्य विभाग, राजस्व प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने सरायपाली के झिलमिला चौक स्थित एक कथित अवैध क्लीनिक पर कार्रवाई की। निरीक्षण के बाद संबंधित क्लीनिक को विधिवत सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान अवधिपार (एक्सपायरी) दवाइयां एवं मरीजों के उपचार में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न चिकित्सकीय उपकरण भी बरामद किए गए।

प्राप्त शिकायत के अनुसार, झिलमिला चौक स्थित राकेश मेडिकल से संबद्ध होकर विनायक पणिग्रही द्वारा कथित रूप से बिना वैध चिकित्सकीय डिग्री अथवा आवश्यक प्रमाण-पत्र के क्लीनिक संचालित किए जाने की शिकायत की गई थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. सिंह कुशवाहा के निर्देश पर जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर औचक निरीक्षण किया।

जांच दल में जिला नोडल अधिकारी (नर्सिंग होम एक्ट) डॉ. वी. पी. सिंह, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. केशव चंद्र साहू तथा जिला समन्वयक (आयुष्मान भारत) श्री पृथ्वी साहू शामिल थे। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक में चिकित्सकीय अर्हता से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई तथा उपचार में उपयोग की जा रही दवाइयों एवं उपकरणों का अवलोकन किया गया। जांच के दौरान अवधिपार दवाइयां और उपचार संबंधी उपकरण मिलने पर इसकी सूचना तत्काल सीएमएचओ को दी गई। इसके बाद अनुविभागीय दंडाधिकारी, सरायपाली के आदेशानुसार राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तहसीलदार, नायब तहसीलदार, हल्का पटवारी तथा पुलिसकर्मियों की उपस्थिति में पंचनामा तैयार कर संबंधित क्लीनिक को सील किया गया। मामले में नर्सिंग होम एक्ट सहित लागू प्रावधानों के तहत आगामी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. सिंह कुशवाहा ने कहा कि आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना आवश्यक चिकित्सकीय अर्हता के उपचार करना तथा अवधिपार दवाइयों का उपयोग करना जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। जिले में इस प्रकार की अनियमितताओं के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी।

आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल एवं अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देने प्रशिक्षण 28 अक्टूबर को

महासमुंद, 23 अक्टूबर । सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्रदान करने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 28 अक्टूबर 2026 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन प्रातः 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक किया जाएगा।प्राप्त निर्देशों के अनुसार संभाग, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पदनामित लोक सूचना अधिकारियों (पीआईओ) एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों (एफएओ) को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जिले में पांच स्थानों पर आयोजित हुई कृषक चौपाल एवं संगोष्ठी

महासमुंद 23 अक्टूबर। किसानों को रासायनिक उर्वरकों के सीमित एवं संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक करने तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने महासमुंद जिले में खेत बचाओ अभियान के तहत आज पांच स्थानों पर कृषक चौपाल एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिले के विकासखंड महासमुंद के पिटियाझर, बागबाहरा के खल्लारी, बसना के अकोरी, पिथौरा के किशनपुर तथा सरायपाली के केना ग्राम पंचायत एवं सहकारी समितियों में आयोजित इन कार्यक्रमों में किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई।

कृषि विभाग द्वारा 22 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक देशव्यापी खेत बचाओ अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध एवं असंतुलित उपयोग को कम करना, मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता को बनाए रखना तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति किसानों और आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है।

कृषक चैपाल एवं संगोष्ठियों में कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से मृदा स्वास्थ्य और जमीन की प्राकृतिक उपजाऊ क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कृषि की दीर्घकालिक उत्पादकता बनाए रखने के लिए मिट्टी की सेहत को प्राथमिकता देना आवश्यक है। इस दिशा में प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती टिकाऊ और आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्प के रूप में महत्वपूर्ण हैं। किसानों को पारंपरिक कृषि ज्ञान के साथ वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रमों के दौरान किसानों को हरी खाद, नील-हरित काई, जैव उर्वरक, जैविक खाद तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही यूरिया एवं डीएपी पर निर्भरता कम करने के लिए एनपीके, एसएसपी, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे उर्वरकों के उचित उपयोग के संबंध में जागरूक किया गया। किसानों को बताया गया कि उर्वरकों का चयन एवं उपयोग मिट्टी की आवश्यकता और मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दी गई अनुशंसाओं के अनुरूप किया जाना चाहिए।

कृषि उप संचालक श्री एफ.आर. कश्यप ने बताया कि 23 अक्टूबर को महासमुंद विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम झालखम्हरिया, कनेकेरा, बागबाहरा अंतर्गत सिरीपठारीमुड़ा, सुखरीडबरी, पिथौरा अंतर्गत ग्राम अमलीडीह, कुम्हारीमुड़ा, बसना अंतर्गत ग्राम चनाट, बड़ेढाबा एवं सरायपाली अंतर्गत ग्राम कोटद्वारी एवं तोषगांव में कृषक चैपाल एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

अभी तक धान खरीदी की तिथि घोषित नहीं करना सरकार की बदनीयती : भूपेश बघेल

रायपुर, 23 अक्टूबर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए धान खरीदी, पटवारियों की हड़ताल, महतारी वंदन में महिलाओं से वसूली, पीएससी परीक्षा की गड़बड़ी और बीटीआई ग्राउंड को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि किसान, गरीब और मजदूर दीपावली मना सकें, इसीलिए सरकार ने अभी तक धान खरीदी की तिथि की घोषणा नहीं किया। मोदी ने अपने जन्मदिन पर पूरा तेल जलवा दिया, अब गरीबों के घर में दीपावली का दीया भी नहीं जलाने देना चाहते।

किसान जब धान बेचेगा तभी उसके घर में दीपावली मनेगी। साय सरकार के बनने के पहले तक राज्योत्सव दिन 1 नवंबर अर्थात दीपावली के समय धान की खरीदी शुरू हो जाती थी ताकि किसान त्यौहार मना सके। अभी तक सरकार तारीख को लेकर कोई निर्णय नहीं ले पाई है, न ही खरीदी का जमीनी स्तर पर कोई तैयारी दिख रही है, न बारदाना की उपलब्धता की तैयारी है और न ही खरीदी केन्द्रों पर कोई तैयारी है। हमारी मांग है कि दीपावली के पहले धान खरीदी की जाये। यदि धान खरीदी की तिथि तय नहीं होती है तो अग्रिम भुगतान किया जाये। धान की इस वर्ष 3358 रू. प्रति क्विंटल

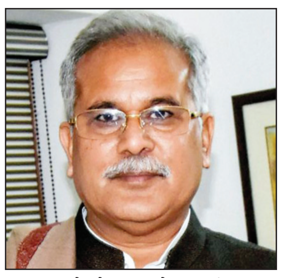

किया जाये दो साल में समर्थन मूल्य 258 रू.। 117 रू. (24-25), 69 रू. (25-26), 72 रू. (26-27) में बढ़ा है भाजपा का वादा 3100 रू. का था 258 रू. जोड़कर किसानों 3358 रू. का भुगतान किया जाये।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार पिछले साल का चावल अभी तक एफसीआई में जमा नहीं कर पाई है। सरकार के डीपीआर की वेबसाईट में 25 सितंबर के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष कुल चावल जमा करने का लक्ष्य रू. 89 लाख टन, अब तक जमा किया चावल रू. 37.50 लाख टन, शेष चावल (जो अभी तक जमा नहीं किया गया है।) रू. 51.50 लाख टन चावल राइस मिलरों द्वारा सरकार के पास जमा करना अभी बाकी है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अभी तक 14.79 मीट्रिक टन धान का संग्रहण केंद्रों में उठाव नहीं हुआ है। मिलरों के पास जगह है, न संग्रहण केंद्र खाली है, इसीलिए धान खरीदी देर से शुरू करना चाह रहे।

मोदी राज में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ गयी है : कांग्रेस

रायपुर, 23 अक्टूबर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने 12 सालों में एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा की हर गारंटी फेल, झूठी वादाखिलाफी और कोरी लफ्फाजी ही मोदी की गारंटी है। भाजपा ने अपने 2014 के घोषणापत्र में 25 करोड़ नौकरियां निर्मित करने का वादा किया था। मोदी सरकार ने माना कि 2014 के बाद से केवल 1.2 करोड़ नौकरियां निर्मित हुई हैं। यह मूल गारंटी का बीसवां हिस्सा भी नहीं है। वर्तमान में, 25 से कम आयु के दस में से चार स्नातक बेरोजगार हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल बेरोजगारों में से 83 परसेंट

बेरोजगार युवा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रुपये का था, आज वह 1017 रु. के पार है वह भी मिल नहीं रहा। पेट्रोल के दाम 70 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 108 रु. प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 101 रु. प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। मोदी सरकार ने महंगाई से जूझ रही जनता को और मंदी की मार झेल रहीं व्यवसायिक संस्थानों, उद्योगों पर कुठाराघात किया है।

समाचार संक्षेप

शिक्षाविद् के.आर. सिन्हा को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

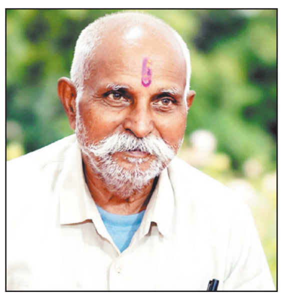

छुरा, 23 अक्टूबर। शिक्षा, कला, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले छुरा क्षेत्र के सेवानिवृत्त व्याख्याता, प्रख्यात लोकगीत गायक एवं अनुभवी नाड़ी वैद्य के.आर. सिन्हा को 'एचीवर अवॉर्ड काउंसिल' द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि और 'भारत गौरव सम्मान अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित संस्था नीति आयोग, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, जी-20 और आईएसओ से पंजीकृत है।

सिन्हा ने अपने 43 वर्षों के गौरवशाली शिक्षकीय जीवन में गणित और वाणिज्य के शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ रेडक्रॉस, इको क्लब और स्काउटिंग के माध्यम से उनमें नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित की। उनके मार्गदर्शन में कई विद्यार्थियों ने राज्यपाल और राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किए। शिक्षा के अलावा वे एक अनुभवी नाड़ी वैद्य के रूप में हजारों पीड़ितों की निःशुल्क एवं निःस्वार्थ सेवा कर चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, वे एक मानस मर्मज्ञ, जसगीत गायक, लोकगीत रचनाकार और सनातन संस्कृति के समर्पित संवाहक हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुँचाया है। उनका मानना है कि ज्ञान की सार्थकता शिक्षा देने में, कला की सार्थकता संस्कृति को जीवित रखने में और जीवन की सार्थकता मानवता की सेवा करने में है।

उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर साहित्यकार ललित साहू, देवनारायण यदु, संतराम कंवर, शंकर लाल यदु, जागेश्वर ध्रुव, अर्जुन धनंजय सिन्हा, हेमलाल पटेल और संतोष निषाद सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उनकी यह सफलता शिक्षा, लोककला और समाज सेवा को जीने वालों के लिए एक प्रेरणास्रोत है।

एक नजर

आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज का त्योहारी सीजन ऑफर

रायपुर, 23 अक्टूबर। प्रौद्योगिकी आधारित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) एवं सूक्ष्म वित्त संस्था आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने मौजूदा पात्र ऋणधारकों के लिए नए ऋण पर 1.25% तक की ब्याज दर में छूट देने की सीमित अवधि की विशेष योजना की घोषणा की है। यह योजना 2 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी है। इस पहल का उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमियों को अपने कारोबार को और सशक्त बनाने तथा त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ती मांग का लाभ उठाने में सहायता प्रदान करना है। 31 दिसंबर, 2025 तक, आरोहण देश के 17 राज्यों में 320 जिलों में 1,073 शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से लगभग 20 लाख ऋणधारकों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा था। कंपनी का यह शाखा नेटवर्क उसे विभिन्न बाजारों में अपनी उपस्थिति बनाए रखने और अपने कार्यक्षेत्र के समुदायों के ग्राहकों के साथ निरंतर जुड़ाव स्थापित करने में सक्षम बनाता है।

भीम पेमेंट्स एप का 'मीठी दिवाली' अभियान

रायपुर, 23 अक्टूबर। भारत का स्वदेशी पेमेंट ऐप, भीम पेमेंट्स ऐप, जिसे एनपीसीआई भीम ने विकसित किया है, अपने 'मीठी दिवाली' अभियान के तीसरे संस्करण के माध्यम से त्योहारों की खुशियाँ फैला रहा है। 19 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच ऐप पर किसी उपयोगकर्ता द्वारा किए गए हर 7वें लेनदेन पर, भीम पेमेंट्स ऐप उन बच्चों को स्कूल किट उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा, जिन्हें पढ़ाई के लिए सहायता की आवश्यकता है। इस अभियान के लिए, भीम पेमेंट्स ऐप ने गूंज के साथ साझेदारी की है। गूंज एक नागरिक एवं विकासात्मक संगठन है, जो शिक्षा, सामुदायिक विकास और आपदा राहत के क्षेत्रों में पूरे भारत में लंबे समय से गरिमा-केंद्रित पहलों के लिए जाना जाता है। यह अभियान उपभोक्ताओं को अपने रोज़मर्रा के लेनदेन के लिए भीम पेमेंट्स ऐप चुनने और अधिक से अधिक बच्चों तक पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री पहुँचाने के सामूहिक प्रयास का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।

पायनियर ने कृषि नवाचार के 100 वर्ष किए पूरे

रायपुर, 23 अक्टूबर। पायनियर कृषि नवाचार और ग्लोबल लीडरशिप के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। 70 से अधिक देशों में संचालित और दुनिया भर के एक करोड़ से अधिक किसानों के साथ मिलकर काम करने वाला पायनियर, वर्ल्ड-क्लास सीड साइंस को भरोसेमंद, मैदानी एग्रोनॉमिक विशेषज्ञता के साथ जोड़कर किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में निरंतर मदद कर रहा है। भारत में, जहां पायनियर ने 54 से अधिक वर्षों तक किसानों के साथ काम किया है, यह विरासत किसानों के गहरे विश्वास और खेतों में निरंतर अच्छे प्रदर्शन पर बनी है। देश के विविध कृषि-जलवायु क्षेत्रों के अनुकूल हाई-परफॉर्मिंग और जलवायु-अनुकूल हाइब्रिड विकसित करके, पायनियर के एग्रोनॉमिस्ट फसल के प्रदर्शन को बेहतर बनाने, मौसम की अनिश्चितताओं से बचाने और कृषि मुनाफे को मजबूत करने के लिए सीधे किसानों के साथ काम करते हैं। यह स्थानीय प्रतिबद्धता भारत के प्रमुख कृषि क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। तेलंगाना में, मक्का किसान पिछले लगभग तीन दशकों से अपनी फसल की पैदावार निरंतर बढ़ाने और परिवार की आजीविका सुधारने के लिए पायनियर जेनेटिक्स पर भरोसा कर रहे हैं। वहीं राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में, बाजरा उत्पादकों ने बार-बार पड़ने वाले सूखे के बावजूद सुरक्षित पैदावार के लिए अनुकूल हाइब्रिड को अपनाया है।

अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में बिक्री 3.5 गुना बढ़ी

रायपुर, 23 अक्टूबर। चूरू और भोपाल की महिला उद्यमियों से लेकर जोधपुर और सहारनपुर के पारंपरिक कारीगरों तक, पूरे भारत के छोटे व्यवसायों ने अमेज़न इंडिया के ग्रेट इंडियन फेस्टिवल (एजीआईएफ) 2026 के पहले सप्ताह के दौरान मजबूत बिक्री दर्ज की। सामान्य दिनों की तुलना में विक्रेताओं की कुल बिक्री में 3.5 गुना की बढ़ोतरी हुई, जबकि उत्पाद दोगुनी से भी ज्यादा तेजी से बिके। नए विक्रेताओं ने बेची गई यूनिट्स में 2.5 गुना से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की। वहीं, 10 लाख रुपये से ज्यादा की बिक्री करने वाले छोटे और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) की संख्या में 350% से ज्यादा बढ़ोतरी हुई। इस उत्सव में अमेज़न पर अब तक की सबसे ज्यादा एसएमबी भागीदारी देखी गई, जिसमें साल-दर-साल लगभग 30% की बढ़ोतरी हुई। इसमें भाग लेने वाले 70% से ज्यादा व्यवसाय टियर-2 और टियर-3 शहरों से आए थे। यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब अमेज़न बिक्री को आसान और किफायती बनाने के प्रयास जारी रख रहा है। इन प्रयासों में 1,000 रुपये से कम कीमत वाले उत्पादों पर जीरो रेफरल शुल्क भी शामिल है। अमेज़न इंडिया के सेलिंग पार्टनर सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट सचिन कौशिक ने कहा, हर त्योहार पर हमें ऐसे उद्यमियों की प्रेरक कहानियाँ देखने को मिलती हैं, जो नए ग्राहकों तक पहुँचते हैं और बड़ी सफलता हासिल करते हैं। इस साल नए विक्रेताओं, महिला उद्यमियों, कारीगरों और छोटे कारोबारियों की सफलता देखकर हमें बहुत खुशी हो रही है।

अन्न का सम्मान, किसानों के योगदान को स्वीकार करना व प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा हम सभी का दायित्व: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में नुआखाई जुहार पर सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित

- विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक
- जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है: मुर्मू
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जीवन देश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय
- सेवा संकल्प अभियान के रक्तदान महाकुंभ में 2,548 लोगों ने किया रक्तदान, 1,188 महिलाएं भी बनीं मानवता की इस मुहिम में सहभागी

रायपुर 23 अक्टूबर। युवा बड़े सपने देखें, अपने विचारों को व्यापक बनाएं और अपनी सफलता को समाज एवं राष्ट्र की सेवा से जोड़ें। परिस्थितियां और चुनौतियां अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक युवा के भीतर कुछ नया करने, बेहतर बनाने और अपनी पहचान स्थापित करने की ललक होनी चाहिए। जब युवाओं के व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ेंगे, तभी देश की प्रगति का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में नुआखाई के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने नुआखाई की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नुआखाई मिलन केवल एक सांस्कृतिक समारोह नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और भारतीय जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि नुआखाई हमारी कृषि परंपरा को सहेजने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने का पर्व है। अन्न केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि किसान भाई-बहनों के परिश्रम, धरती की उदारता और प्रकृति के अनमोल उपहार का प्रतीक है। अन्न का सम्मान करना, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने युवाओं से कहा कि वे जीवन में सीखना कभी बंद न करें। पुस्तकें पढ़ें, प्रश्न पूछें, नई चीजों को समझें और अपने ज्ञान एवं कौशल को निरंतर विकसित करें। जीवन में लक्ष्य तय करें और चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर स्वयं में सुधार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा

राष्ट्रपति मुर्मु ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक बदलाव का उल्लेख करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों तथा युवाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर प्रदेश के युवा नक्सलवाद के भटकाव से मुक्त होकर मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है। इस परिवर्तन से न केवल युवाओं और उनके परिवारों का कल्याण हो रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ और पूरे भारत के विकास को भी गति मिल रही है।

नुआखाई सामाजिक एकता और सेवा भावना का पर्व: राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को नुआखाई जुहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल नई फसल के आगमन की खुशी मनाने का अवसर नहीं, बल्कि धरती माता के प्रति कृतज्ञता, किसानों के परिश्रम के सम्मान और मिल-जुलकर खुशियां बांटने का उत्सव है। यह हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति, सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की परंपरा को मजबूत करता है। राज्यपाल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति को प्रदेश के लिए सौभाग्य और प्रेरणा का अवसर बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष, सादगी, समर्पण और सेवाभाव सभी के लिए प्रेरक है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जीवन बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ से गहरा आत्मीय संबंध है। प्रदेशवासियों के मन में उनके प्रति अपार आदर और आत्मीयता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु का संपूर्ण जीवन संघर्ष, सादगी, सेवा, शिक्षा और दृढ़ संकल्प की प्रेरणादायक मिसाल है। ओडिशा के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की उनकी जीवन यात्रा विशेष रूप से देश की बेटियों, युवाओं तथा जनजातीय और ग्रामीण अंचलों के लिए प्रेरणास्रोत है।

रायपुर-दुर्ग सहित 36 रेलवे स्टेशनों पर 'रेल जनसंवाद'

रायपुर, 23 अक्टूबर। यात्रियों की समस्याओं को सुनने, सुझावों को समझने और रेल सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में गुरुवार को 'पैन इंडिया रेल जनसंवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत रायपुर और दुर्ग सहित मंडल के 36 रेलवे स्टेशनों तथा 7 रेलवे उपक्रमों में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों, युवाओं और आम नागरिकों से सीधे संवाद किया। प्राप्त शिकायतों और सुझावों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने रायपुर एवं दुर्ग रेलवे स्टेशन पर यात्रियों, युवाओं और स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने स्थित दुकानदारों से बातचीत की। उन्होंने स्टेशन परिसर और दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कचरे के उचित निस्तारण की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति को समझनी चाहिए।

डीआरएम ने प्लास्टिक कचरे से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए कहा कि प्लास्टिक नालियों और ड्रेनेज व्यवस्था को अवरुद्ध करने का कारण बन सकता है। इसलिए प्लास्टिक का उपयोग कम करना और कचरे को निर्धारित स्थान पर डालना जरूरी है। उन्होंने यात्रियों और युवाओं को भी रेलवे परिसर को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

सिलयारी स्कूल में स्काउट्स एंड गाइड्स का कैंप का आयोजन

रायपुर, 23 अक्टूबर। जिला संघ रायपुर के सम्मानित अध्यक्ष जी स्वामी, जिला मुख्य आयुक्त राजीव चक्रवर्ती जी के मार्गदर्शन, जिला मुख्य आयुक्त एमजी सतीश कुमार एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी, धरसींवा अमित तिवारी एवं जिला सचिव मृत्युंजय शुक्ला के निर्देशानुसार डॉ खूबचंद बघेल शास उच्च मा शाला सिलयारी वि ख धरसींवा जिला रायपुर में एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के 40 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स एवं रेंजर्स ने भाग लिया।

इस शिविर में ध्वज शिष्टाचार, गांठे, गेम्स, सैल्यूट एवं लेफ्ट हैंड शेक के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां कराई गई। यह शिविर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अमित तिवारी के प्रोत्साहन, प्राचार्य एन कुमार वर्मा जी के सहयोग, ब्लॉक सचिव मुकेश बोरकर जी के मार्गदर्शन तथा रेंजर लीडर रुक्मणी गिरी के कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर को सफल बनाने में राज्यपाल रोवर लिलेश कुमार साहू, रोशन कुर्रे, राज्यपाल स्काउट सुरेश कुमार यादव ने अहम भूमिका निभाई।

ईसाई धर्म नहीं अपनाने पर मारपीट का आरोप

रायपुर, 23 अक्टूबर। राजधानी के अमलीडीह इलाके में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और मारपीट करने के आरोप में दो महिलाओं के खिलाफ जुर्म दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि परिवार पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा था। असहमति जताने मारपीट की गई और परिवार के सदस्यों को परेशान किया गया। मामला न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है।

पीड़ित परिवार ने पुलिस को बताया कि परिवार पर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। शिकायत में दावा है कि उसकी छोटी बेटी का पहले ही धर्म परिवर्तन कराया जा चुका है। वहीं परिवार के अन्य सदस्यों पर भी ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। आरोप है कि धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर उनके साथ लात-घूंसों से मारपीट की गई।

पीड़ितों का आरोप है कि विवाद के दौरान मोबाइल फोन तोड़ दिया गया। इसके अलावा घर में ताला लगाने और इलाज के लिए बाहर नहीं जाने देने की भी शिकायत की गई है। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उसके 16 वर्षीय बेटे को धर्म परिवर्तन के लिए प्रलोभन दिया जा रहा था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विशाखा मसीह और दुलारी साहू के खिलाफ जुर्म दर्ज किया। पुलिस ने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026 की धारा 16(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

एलजी ने तीसरे वर्ष भी हासिल किया ग्रेट प्लेस टू वर्क सर्टिफिकेशन

रायपुर, 23 अक्टूबर। भारत की अग्रणी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियों में से एक, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (एलजी इंडिया) ने लगातार तीसरे वर्ष ग्रेट प्लेस टू वर्क® सर्टिफिकेशन™ हासिल किया है। कार्य-संस्कृति और कर्मचारियों के अनुभव का आकलन करने वाली वैश्विक संस्था ग्रेट प्लेस टू वर्क® ने एलजी इंडिया को यह सर्टिफिकेशन ट्रस्ट इंडेक्स® सर्वे के माध्यम से प्राप्त कर्मचारियों के फीडबैक और कार्य-संस्कृति के मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया है। कर्मचारियों के दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर किया गया यह मूल्यांकन इस बात की गहरी जानकारी देता है कि विश्वास, जुड़ाव और कार्यस्थल का दैनिक अनुभव किसी भी संगठन की संस्कृति को कैसे आकार देते हैं। 2023 में पहली बार सर्टिफिकेशन प्राप्त करने के बाद, एलजी इंडिया ने कर्मचारी अनुभव, कार्यस्थल संस्कृति और पेशेवर विकास को बढ़ावा देने वाले माहौल पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस मान्यता को और भी मजबूत किया है। यह मान्यता जॉब मार्केट में बेहतरीन टैलेंट को अपने साथ जोड़ने में आगे भी मदद करेगी और इससे शेयरधारकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, होंग जू जियोन ने कहा, तीसरे वर्ष ग्रेट प्लेस टू वर्क सर्टिफिकेशन हासिल करना एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रगतिशील एचआर नीतियों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होने के साथ-साथ इसका एक प्रमुख प्रमाण भी है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए योगेश तिवारी

रायपुर, 23 अक्टूबर। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व के अवसर पर भाजपा किसान नेता एवं सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी ग्राम मटका एवं ग्राम खिसोरा में आयोजित दशहरा पर्व एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से आत्मीय मुलाकात की और सभी को दशहरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहने की मंगलकामना की। दशहरा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, अंततः विजय सत्य, धर्म और अच्छाई की ही होती है। भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेते हुए यह त्योहार हमें मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा, धैर्य और न्याय के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। ग्राम मटका एवं खिसोरा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों

में सहभागिता करते हुए योगेश तिवारी ने ग्रामीण अंचल की सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता के महत्व को रेखांकित किया। गांवों में आयोजित ऐसे कार्यक्रम लोगों को एक साथ लाने, अपनी संस्कृति से जुड़ने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। योगेश तिवारी ने कहा कि विजयादशमी केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों को दूर करने और अच्छे विचारों को अपनाने का संकल्प लेने का भी पर्व है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य, मर्यादा और कर्तव्य के मार्ग पर चलकर ही समाज में आदर्श स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष जैसी नकारात्मक भावनाओं को त्यागकर प्रेम, सद्भाव, सेवा और सहयोग की भावना को अपनाना चाहिए। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने आचरण में अच्छे संस्कारों को स्थान देगा, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाया जा सकेगा। योगेश तिवारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और नैतिक मूल्यों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से आपसी मेलजोल बढ़ता है और गांवों में एकता एवं भाईचारे की भावना मजबूत होती है। उन्होंने ग्राम मटका एवं ग्राम खिसोरा के समस्त ग्रामवासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए मां दुर्गा एवं भगवान श्रीराम से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में शामिल हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि बलराम पटेल, सरपंच भुनेश्वरी जितेंद्र साहू, जनपद सदस्य नीरज राजपूत, सरपंच माना राम साहू एवं ग्रामीण सम्मिलन हुए और विजयादशमी का संदेश यही है-सत्य के मार्ग पर चलें, अच्छे संस्कार अपनाएं और समाज में प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे को मजबूत बनाएं।

डिजिटल सुरक्षा अभियान का आयोजन

रायपुर, 23 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में डिजिटल सुरक्षा अभियान आज दोपहर 3.30 बजे से 6 बजे तक चौधरी देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में आयोजित किया गया है। डिजिटल सुरक्षा अभियान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्मृतिक राजनाला जी (आईपीएस) डी.सी.पी.रायपुर (क्राईम एंड साइबर) होंगे, तथा मुख्य वक्ता सुश्री सोनाली गुहा जी (नेशनल साइबर फॉरेंसिक एंड साइबर सिक्युरिटी एक्सपर्ट) यूपीआई फ्रॉड, आनलाइन ब्लैकमेलिंग, फेक प्रोफाइल, बिजनेस ई-मेल हैक से कैसे बचें, इस संबंध में विस्तृत जानकारी देंगी। इस कार्यक्रम के संयोजक -चेम्बर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं राजधानी संभाग प्रभारी जसप्रीत सिंह सलूजा, कार्यक्रम प्रभारी-श्रीमती सोनिया साहू, प्रशांत गुप्ता, राजेंद्र पारख, मनीष प्रजापति, जय होतवानी, आलोक शर्मा, प्रवीण पटेल, नितेश अग्रवाल, प्रसून दीक्षित, महिला विंग प्रभारी-सुधा ठाकुर सोनिया शांडेल, सुचिता मेहतरा हैं।

अमर परवानी राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में शामिल होंगे

रायपुर, 23 अक्टूबर। कैट के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं छत्तीसगढ़ के प्रमुख व्यापारी नेता अमर पारवानी जी को कैट दिल्ली प्रदेश प्रभारी का नवीन दायित्व सौंपे जाने के पश्चात वे प्रथम बार अहमदाबाद में राष्ट्रीय कार्यसमिति की आयोजित बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। यह अवसर उनके लिए नवीन जिम्मेदारी के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा देशभर के व्यापारियों के हितों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहेगा।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26